RNI : PBHIN/25/A4135

साप्ताहिक
सत्ता संदेश

सम्पादक : जितेंद्र कुमार Website : www.sattasandesh.com YouTube : @sattasandesh25 The Power of Print...

सोनाक्षी स्टारर 'दहाड़' का दूसरा सीजन....6

वर्ष : 2 अंक : 6 9 फरवरी : 2026 मूल्य रु. 5.00 /- पृष्ठ : 8 Email : sattasandesh25@gmail.com

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का धमाकेदार आगाज़...8

आज का इतिहास

9 फरवरी 1951

स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना

9 फरवरी 1951 को स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना (First Census) का आधिकारिक कार्य शुरू हुआ था। 28 फरवरी तक चली इस गणना में विभाजन के बाद देश की कुल जनसंख्या 36.10 करोड़ दर्ज की गई थी। उस समय साक्षरता दर केवल 18% थी। यह आधुनिक भारत के नियोजन के लिए एक ऐतिहासिक कदम था।

कोटा में गिरी तीन मंजिला इमारत, 2 लोगों की मौत

कोटा - राजस्थान के कोटा शहर में शनिवार देर रात एक बड़ा और बेहद दर्दनाक हादसा हो गया। जवाहर नगर थाना क्षेत्र में स्थित एक तीन मंजिला इमारत अचानक भरभराकर गिर गई। पलभर में पूरी बिल्डिंग मलबे में तब्दील हो गई, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में मलबे के नीचे दबकर दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए।

सूरजकुंड मेले में बड़ा हादसा: 'सुनामी झूला' टूटकर गिरा

फरीदाबाद - हरियाणा के फरीदाबाद में आयोजित विश्वप्रसिद्ध सूरजकुंड मेले में शनिवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब मेले में लगा लोकप्रिय 'सुनामी झूला' अचानक टूटकर नीचे गिर पड़ा। हादसे के वक्त झूले पर 18 लोग सवार थे। इस दुर्घटना में 13 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि पांच लोगों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। झूले की चपेट में आने से मौके पर मौजूद फरीदाबाद पुलिस के एक इंस्पेक्टर की मौत हो गई।

पंजाब में 2 आईएएस अधिकारी सस्पेंड

चंडीगढ़-पंजाब में बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई करते हुए दो वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जारी आदेश के अनुसार, आईएएस अधिकारी कमल किशोर यादव, जो उद्योग एवं वाणिज्य विभाग में प्रशासनिक सचिव के पद पर तैनात थे, को ऑल इंडिया सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स, 1969 के नियम 3(1) के तहत सस्पेंड किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय चंडीगढ़ रहेगा और उन्हें नियमों के अनुसार गुजारा भत्ता दिया जाएगा।

भारत-अमेरिका के बीच समझौते की रूपरेखा पर सहमति, भारत पर अब सिर्फ 18% टैरिफ

खुला 30000 अरब डॉलर का बाजार

अमेरिकी खाद-कृषि उत्पादों पर शुल्क हटाने की तैयारी, 500 अरब डॉलर के उत्पाद खरीदेगा देश

18 प्रतिशत भारत पर टैरिफ का निर्धारण

6.22 प्रतिशत आयात में वृद्धि

10.73 प्रतिशत द्विपक्षीय व्यापार

186 अरब डॉलर कुल व्यापार (वित्त वर्ष 2024-25)

नई दिल्ली/वाशिंगटन - भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील की रूपरेखा पर पहुंचने के अहम समझौते हो गए हैं। इससे द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिए दोनों देश आयात शुल्क कम करेंगे। इसके तहत भारत अमेरिका से 18 प्रतिशत टैरिफ के साथ व्यापार करेगा।

पीयूष गोयल ने कहा कि इससे भारत और अमेरिका के बीच व्यापार को नई गति मिलेगी। अमेरिकी उद्योगों और कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में अधिक अवसर मिलेंगे।

भारत ने अमेरिका से खाद्य-कृषि उत्पाद, डेयरी उत्पाद, फल-सब्जियां, सोयाबीन तेल, मक्का और

'मेक इन इंडिया' को मजबूत करेगा समझौता-प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री ने कहा कि यह ऐतिहासिक व्यापार समझौता किसानों, उद्योगों और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा। 'मेक इन इंडिया' को नई मजबूती मिलेगी और भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत हिस्सा बनेगा।

समझौते से जुड़ी अहम बातें

अमेरिका, भारतीय सामान पर लगने वाले शुल्क को घटाकर औसतन 18 प्रतिशत करेगा।

भारतीय निर्यातकों, विशेष रूप से एमएसएमई, किसानों और मध्यम उद्योगों के लिए 30,000 अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा बाजार खुलेगा।

निर्यात में वृद्धि से महिलाओं और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर बनेंगे।

यह समझौता खनिज, कृषि उत्पाद, प्लास्टिक और रबर उत्पाद, चिकित्सा उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्सटाइल सेक्टर को बढ़ावा देगा।

भारत का विमानन क्षेत्र भी इस समझौते से लाभान्वित होगा।

अनाज, फल, डेयरी उत्पादों पर अमेरिका को रियायत नहीं

भारत ने मकई, गेहूं, चावल, दूध, पनीर, दही, अंडे, कुछ सब्जियों और मांस उत्पादों पर अमेरिका को शुल्क में बड़ी रियायत नहीं दी है। इन क्षेत्रों को पूरी तरह संरक्षित रखा गया है।

अन्य कई उत्पादों पर शुल्क में राहत देने पर सहमति जताई है। इसके बदले अमेरिका भारत से इंजीनियरिंग उत्पाद, दवाइयां, कपड़ा, ऑटोमोबाइल पार्ट्स और आईटी सेवाओं का आयात बढ़ाएगा।

सरकार के अनुसार भारत अब अमेरिका से सालाना 500 अरब डॉलर के उत्पाद खरीदेगा। इससे घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

कर्ज के जाल में फंसता पंजाब

पंजाब पर बढ़ रहा आर्थिक क़र्ज़ चिंता का विषय

चंडीगढ़ (सराना)- पंजाब की आर्थिक स्थिति इस समय काफी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। ताज़ा आंकड़ों और बजट अनुमानों के अनुसार, पंजाब पर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ रहा है।

पंजाब पर कुल कितना कर्ज है?

मार्च 2026 तक पंजाब का कुल कर्ज ₹4.17 लाख करोड़ तक पहुँचने का अनुमान है। *बढ़ोतरी की रफ़्तार*-2022 में यह लगभग ₹2.83 लाख करोड़ था, जो अगले कुछ वर्षों में तेजी से बढ़ा है।

कर्ज और GDP का अनुपात- पंजाब का कर्ज उसकी कुल जीडीपी का लगभग 46% से भी अधिक है। यह भारत के सबसे अधिक कर्जदार राज्यों में से एक है।

प्रति व्यक्ति कर्ज- यदि इसे पंजाब की जनसंख्या में बांटकर देखा जाए, तो हर पंजाबी नागरिक पर करीब ₹1.33 लाख से ज्यादा का कर्ज बैठता है।

इस कर्ज की वजह से पंजाब को क्या-क्या परेशानियाँ हो रही हैं?

इतने भारी कर्ज के कारण राज्य को कई मोर्चों पर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है-

ब्याज का भारी बोझ- पंजाब सरकार को अपनी कुल कमाई का एक बड़ा हिस्सा (लगभग 20-22%) केवल पुराने कर्ज का ब्याज चुकाने में खर्च करना पड़ता है। यानी विकास के लिए पैसा कम बचता है।

विकास कार्यों में कमी- बजट का लगभग 70-75% हिस्सा केवल वेतन, पेंशन और ब्याज चुकाने में चला जाता है। इसके कारण नए रोड, अस्पताल, स्कूल और इंडस्ट्री लगाने के लिए फंड की कमी हो जाती है।

मुफ्त सुविधाओं का दबाव- बिजली सब्सिडी (कृषि और घरेलू) पर हर साल 20,000 करोड़ से अधिक खर्च हो रहे हैं। कर्ज की वजह से सरकार के पास इन कल्याणकारी योजनाओं को चलाने के लिए भी पैसा कम पड़ता जा रहा है।

पूंजी निवेश की कमी- जब किसी राज्य पर बहुत ज्यादा कर्ज होता है, तो प्राइवेट कंपनियाँ वहां निवेश करने से कतराती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि सरकार भविष्य में टैक्स बढ़ा सकती है या इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च नहीं कर पाएगी।

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

मुख्यमंत्री भगवंत मान की यूरोप यात्रा रद्द, केंद्र से नहीं मिली क्लीयरेंस

चंडीगढ़ - पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान की यूरोप यात्रा रद्द कर दी गई है। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री को कल शाम यूरोप के लिए रवाना होना था, लेकिन केंद्र सरकार से आवश्यक क्लीयरेंस न मिलने के कारण यह यात्रा रद्द कर दी गई है। बताया जा रहा है कि प्रेग्रेसिव पंजाब इनवेस्टमेंट समिट जैसे व्यापारिक यतनों के लिए मुख्यमंत्री मान यात्रा करने वाले थे। वहीं अब क्लीयरेंस न मिलने के कारण यह दौरा रद्द कर दिया गया है।

रूस के मेडिकल कॉलेज में चाकू से हमला, चार भारतीय छात्रों सहित कई घायल

रूस -रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य में स्थित एक मेडिकल विश्वविद्यालय के छात्रावास में शनिवार को चाकू से हुए हमले में चार भारतीय छात्रों समेत कम से कम छह लोग घायल हो गए। यह जानकारी भारत के दूतावास ने दी है।

प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार 15 वर्षीय एक किशोर चाकू लेकर उफ़ा स्थित स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में घुस गया और वहां रह रहे छात्रों पर हमला कर दिया। रूसी

आंतरिक मंत्रालय के मुताबिक, हमलावर ने कई छात्रों को चाकू मारा। आंतरिक मंत्रालय की प्रवक्ता मेजर जनरल इरीना वोल्क ने बताया कि गिरफ्तारी के दौरान हमलावर ने दो पुलिसकर्मियों को भी चाकू मार दिया, जबकि बाद में उसने खुद को भी घायल कर लिया।

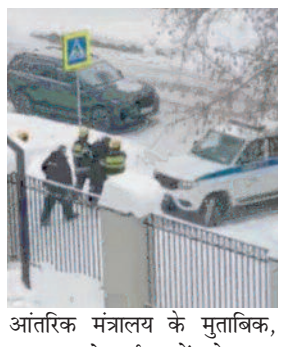

भारतीय दूतावास ने इस घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताते हुए कहा कि चार भारतीय छात्र घायल हुए हैं। दूतावास ने बताया कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और कजान स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी उफ़ा के लिए रवाना हो चुके हैं, ताकि घायल छात्रों को आवश्यक सहायता दी जा सके।

अमेरिकी ट्रेड डील दस्तावेज में पीओके और अक्साई चिन भारत का हिस्सा

न्यूयार्क -भारत और अमेरिका द्वारा अंतरिम व्यापार समझौते की रूपरेखा घोषित की गई है। इसके साथ ही अमेरिका के यूएस ट्रेड रिप्रेज़ेंटेटिव कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया पर एक नक्शा जारी किया गया है। यह सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।

दरअसल, नक्शे में पूरा जम्मू-कश्मीर क्षेत्र, जिसमें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर भी शामिल है, को भारत का हिस्सा दिखाया गया है। यही नहीं, अक्साई चिन को भी भारत के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है। अक्साई चिन पर चीन दावा करता रहा है। भारत लगातार कहता रहा है कि जम्मू-कश्मीर उसका अभिन्न अंग है, लेकिन अमेरिका ने पहली बार नक्शे में पीओके को भारत का हिस्सा माना है।

संगठन जब कहे तब छोड़ दूंगा पद - मोहन भागवत

मुंबई-आर.एस.एस. के सर-संघचालक मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि वे संगठन के निर्देश पर किसी भी समय पद से अलग होने के लिए तैयार हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि 75 वर्ष की आयु पार करने के बाद भी संघ ने उन्हें काम जारी रखने के लिए कहा है और जब भी संघ ऐसा निर्देश देगा, वे तुरंत पद छोड़ देंगे। मुंबई में आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक इंटरएक्टिव सत्र में भागवत ने ये बातें कहीं। कार्यक्रम '100 वर्षों की संघ यात्रा- नए क्षितिज' नामक दो दिवसीय व्याख्यानमाला का हिस्सा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद को लेकर स्पष्ट किया, 'कोई समझौता नहीं'

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मलेशिया के उनके समकक्ष अनवर इब्राहिम के बीच व्यापक बातचीत के बाद भारत और मलेशिया ने रविवार को रक्षा और सुरक्षा, सेमीकंडक्टर तथा व्यापार के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए कई पहलों की शुरुआत की। बैठक के बाद मोदी ने कहा कि भारत और मलेशिया एक विशेष संबंध साझा करते हैं और दोनों पक्ष विभिन्न क्षेत्रों में अपने संबंधों का विस्तार करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री ने आतंकवाद से निपटने के मुद्दे पर भारत के रुख को दोहराते हुए कहा कि आतंकवाद पर हमारा संदेश स्पष्ट है; कोई दोहरा मापदंड नहीं, कोई समझौता नहीं। मोदी शनिवार को कुआलालंपुर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। हवाई अड्डे पर इब्राहिम ने उनका स्वागत किया जो द्विपक्षीय संबंधों में एक नयी गति

का संकेत है। वार्ता से पहले मोदी का आज सुबह पर्दाना पुत्र में औपचारिक स्वागत किया गया। मोदी ने कहा, ''भारत और मलेशिया के बीच एक विशेष संबंध है। हम समुद्री पड़ोसी हैं। सदियों से दोनों देशों के लोगों के बीच गहरे और स्नेहपूर्ण संबंध रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज, भारतीय मूल के लोगों की आबादी के मामले में मलेशिया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है। हमारी सभ्यताएं, साझा सांस्कृतिक विरासत और लोकतांत्रिक मूल्य हमें एक सूत्र में बांधते हैं। मोदी ने कहा कि दोनों पक्ष आतंकवाद विरोधी उपायों, खुफिया जानकारी साझा करने और समुद्री सुरक्षा में सहयोग को मजबूत करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि हम रक्षा सहयोग को और अधिक व्यापक बनाएंगे। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (ए.आई.) और डिजिटल प्रौद्योगिकियों के साथ-

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

पंजाब में ऑनलाइन लाइसेंस बना आफत

लुधियाना (सत्ता संदेश)-पंजाब सरकार द्वारा आर.टी.ए. (रीजनल ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी) की सेवाओं को ऑनलाइन और सेवा केंद्रों के ज़रिये आसान बनाने के दावे ज़मीनी हकीकत में उलझन और परेशानी का कारण बनते नज़र आ रहे हैं। लुधियाना में हालात यह हैं कि एक हजार से ज्यादा लोग ड्राइविंग लाइसेंस और लर्निंग लाइसेंस के लिए ऑनलाइन आवेदन कर चुके हैं, लेकिन न तो उन्हें लाइसेंस मिल रहा है और न ही कोई विभाग इसकी जिम्मेदारी लेने को तैयार है। इन आवेदकों ने घर बैठे सरकारी पोर्टल पर आवेदन करते हुए 520 रुपये की फीस भी ऑनलाइन जमा करवाई, लेकिन अब महीनों से वे सेवा केंद्र और आर.टी.ए. कार्यालय के बीच चक्कर काटने को मजबूर हैं। दोनों विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर अपना पल्ला झाड़ रहे हैं।

अनिल अंबानी को स्वीडिश लड़की का जेफरी एपस्टीन ने दिया ऑफर

न्यूयार्क- अमेरिकी न्याय विभाग की तरफ से जारी किए गए दस्तावेजों से पता चलता है कि एपस्टीन और भारतीय व्यवसायी अनिल अंबानी के बीच 2017 की शुरुआत से लेकर 2019 तक के बातचीत मैसेज के जरिए हुई। दोनों ने 'ग्लोबल मसलों', व्यापार और महिलाओं के बारे में बात की और व्यक्तिगत रूप से मिलने की योजना बनाई।

ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार, अंबानी ने उसी वर्ष 9 मार्च को एक संदेश में लिखा, 'आप किसे सजेस्ट करते हैं?'

एपस्टीन का जवाब था- 'एक लंबी, गोरी स्वीडिश लड़की, ताकि मुलाकात मजेदार हो।'

अंबानी ने 20 सेकंड से भी

उद्योगपति बोले- 'इसका इंतजाम कर लो' रिपोर्ट

कम समय में जवाब दिया, 'इसका इंतजाम कर दीजिए।' और एपस्टीन से जुड़े एक फोन नंबर के बीच के टेक्स्ट मैसेजेज से यह भी पता चलता है कि वे उसी वर्ष बाद में पेरिस में मिलने की

पेरिस में मिलना था

दस्तावेजों के अनुसार, अंबानी

किताबों से हुई शुरूआत

ब्लूमबर्ग न्यूज द्वारा पहले प्राप्त हजारों ईमेल के अनुसार, एपस्टीन ने 4 मार्च, 2017 को जो डिजिटल किताबें मंगाई थीं - जिनमें अंबानी एंड संस और स्टॉर्म्स इन द सी विंड- अंबानी वर्सेस अंबानी शामिल हैं - इन किताबों से शायद उन्हें परिवार के इतिहास और हाई स्टेटस का पता चला हो। 66 वर्षीय अनिल अंबानी और उनके 68 वर्षीय भाई मुकेश अंबानी के बीच 2002 में उनके पिता धीरूभाई की मौत के बाद पारिवारिक व्यापारिक साम्राज्य को लेकर विवाद हुआ और अंततः उन्होंने इसे आपस में बांटने का फैसला किया। अनिल, रिलायंस समूह के अध्यक्ष हैं, जो भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर और बिजली क्षेत्रों में कार्यरत है। एशिया के सबसे धनी व्यक्ति मुकेश अंबानी, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को नियंत्रित करते हैं, जिसका कारोबार तेल शोधन, पेट्रोकेमिकल्स, दूरसंचार, खुदरा और मीडिया तक फैला हुआ है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, उनकी कुल संपत्ति 98.4 बिलियन डॉलर है।

चर्चा कर रहे थे - लेकिन मिल नहीं पाए। वहीं जनवरी 2018 में स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच पर डोनाल्ड ट्रंप की प्रतिक्रिया के बारे में बातचीत कर रहे थे।

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

महिला को बिना मर्जी मां बनने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता

सुप्रीम कोर्ट ने 30 हफ्ते के गर्भ को गिराने की दी मंजूरी

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक फैसले में यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी महिला की मर्जी के बिना उसे मां बनने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। अदालत ने एक नाबालिग लड़की की पीड़ा को समझते हुए उसे 30 हफ्ते के गर्भ को गिराने की इजाजत दे दी है। जस्टिस बी. वी. नागरथना और जस्टिस उज्जल भुइयां की बेंच ने यह फैसला सुनाते हुए कहा कि महिला के अपने शरीर और जीवन पर फैसले लेने का अधिकार सर्वोपरि है। इस मामले को संवेदनशीलता को देखते हुए अदालत ने कहा कि जब लड़की खुद मानसिक या शारीरिक रूप से उस बच्चे को जन्म देने के लिए

तैयार नहीं है, तो उसे गर्भावस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके अधिकारों का हनन होगा।

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

महिला अधिकार सबसे ऊपर

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला समाज और कानून के लिए एक नजीर की तरह है। अदालत ने साफ संदेश दिया है कि मां के हितों और उसकी पसंद को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। इस फैसले ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि न्यायपालिका व्यक्ति की गरिमा और उसकी व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सबसे ऊपर रखती है।

राज्य का लॉ एंड ऑर्डर भगवान भरोसे-परगट सिंह

कहा, पंजाब में लागू हो सकता है राष्ट्रपति शासन

जालंधर (सत्ता संदेश)- जालंधर में आम आदमी पार्टी के नेता की हत्या के बाद पंजाब की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। पंजाब में लॉ एंड ऑर्डर की हालत पर गहरी चिंता जताते हुए जालंधर कैंट से विधायक और पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री परगट सिंह ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगने का डर जताया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार ने राज्य की लॉ एंड ऑर्डर को भगवान भरोसे छोड़ दिया है। कांग्रेस विधायक ने अपना डर जताते हुए चेतावनी दी कि अगर हालात काबू में नहीं आए तो पंजाब में राष्ट्रपति शासन लग सकता है, क्योंकि मौजूदा सरकार हालात को संभाल नहीं पा रही है। उन्होंने सीधा हमला करते हुए कहा कि भगवंत मान सरकार पूरी तरह सोई हुई है और उसे राज्य में लॉ की कोई दिक्कत नहीं दिख रही है। पुलिस के काम करने के तरीके पर बोलते हुए परगट सिंह ने कहा कि पुलिस का हौंसला अब तक के सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने पंजाब को पुलिस स्टेट बना दिया है, जहां पुलिस को बहुत ज़्यादा पावर दे दी गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब सरकार पुलिस से गलत काम करवाती है, तो नतीजा यह होता है कि राज्य में लॉ एंड ऑर्डर की हालत पूरी तरह बिगड़ जाती है

श्री हरमंदिर साहिब के सेवादारों को लेकर आया फैसला

अमृतसर (सत्ता संदेश)- सचखंड श्री हरिमंदिर साहिब की मर्यादा, परंपरा और सेवा प्रणाली को और अधिक सुव्यवस्थित और दर्शनीय बनाने के उद्देश्य से श्री दरबार साहिब की सुरक्षा सेवा दल के सेवाकारों की वर्दी में महत्वपूर्ण और आवश्यक बदलाव किया गया है। इस नए फैसले के तहत अब श्री दरबार साहिब में तैनात सेवादार दो अलग-अलग रंगों-पीले और गहरे नीले रंग की वर्दी में नजर आएंगे। जानकारी के अनुसार सेवादार सप्ताह में दो-दो दिन बारी-बारी से ये वर्दियां पहनेंगे। नई व्यवस्था के अनुसार जब सेवादार पीली वर्दी पहनेंगे तो उनकी पगड़ी नीले रंग की होगी और जब वर्दी नीली होगी तो पगड़ी पीले रंग की पहनी जाएगी। इस रंगीन संयोजन से सेवादारों की पहचान स्पष्ट होने के साथ-साथ दर्शनीय सुंदरता में भी वृद्धि होगी। वर्दी के दोनों कंधों पर खंडों की कढ़ाई की गई है, जो सिखी की शान और पहचान को दर्शाती है। इसके अलावा छाती पर साफ अक्षरों में 'श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर' लिखा गया है। सेवादार सफेद रंग का हजूरिया भी पहनेंगे, जो मर्यादा और पवित्रता का प्रतीक है। इसके साथ ही सेवादारों को कमरकस के रूप में कपड़े की विशेष बेल्टें और पगड़ी पर सजाने के लिए खंडे भी दिए जाएंगे। नई वर्दी सेवाकारों को पहले से अधिक अनुशासित, प्रभावशाली और दर्शनीय रूप में प्रस्तुत करेगी।

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड ने दी स्कूलों को सख्त चेतावनी

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड (पी.एस.ई.बी.) से जुड़े प्राइवेट स्कूलों के लिए बड़ी खबर है। बोर्ड ने स्पष्ट कर दिया है कि अगर इंटरप्रेन्योरशिप प्रोजेक्ट के तहत तय समय सीमा में बिजनेस आइडिया जमा नहीं किए गए, तो संबंधित स्कूलों के छात्रों के बोर्ड परीक्षा परिणाम रोके जा सकते हैं। विभाग ने कहा कि, 11वीं और 12वीं कक्षा का परिणाम रोका जा सकता है। जानकारी के अनुसार, पंजाब सरकार की ओर से शुरू किए गए इंटरप्रेन्योर प्रोजैक्ट को कई एफिलिएटेड और एसोसिएटेड स्कूलों ने गंभीरता से नहीं लिया। बोर्ड के पास बड़ी संख्या में स्कूलों से अभी तक बिजनेस आइडिया नहीं पहुंचे हैं, जिसके चलते शिक्षा विभाग ने कड़ा रुख अपनाया है। पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के सचिव द्वारा प्राइवेट स्कूल प्रिंसीपलों को नोटिस जारी कर साफ कहा गया है कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिन स्कूलों ने अब तक प्रोजेक्ट के तहत कम से कम एक बिजनेस आइडिया सबमिट नहीं किया, उन्हें तुरंत प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं। बोर्ड ने सभी स्कूल प्रिंसीपलों को 9 फरवरी 2026 तक का अंतिम समय दिया है। तय तारीख तक छात्रों से बिजनेस आइडिया लेकर बोर्ड को भेजना अनिवार्य किया गया है। तकनीकी सुविधा के लिए पी.एस.ई.बी. ने एक व्हाट्सएप नंबर (+91 9513477756) भी जारी किया है। स्कूलों को इसी नंबर पर मैसेज भेजकर रजिस्ट्रेशन करना होगा और पूरी जानकारी ऑनलाइन साझा करनी होगी। प्रत्येक स्कूल को कम से कम एक बिजनेस आइडिया जमा करना जरूरी बताया गया है।

चिट्टा तस्करी का बड़ा मगरमच्छ पुलिस की गिरफ्त में

पंजाब से संचालित नशा तस्करी के नैटवर्क का भंडाफोड़

फाजिल्का (सत्ता संदेश)- हिमाचल प्रदेश में चिट्टा तस्करी के एक मामले की जांच करते हुए पुलिस ने पंजाब से जुड़े नशा तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया है। परवाणू में गत 10 जनवरी को चिट्टे के साथ पकड़े गए युवक से शुरू हुई जांच की कड़ियां पंजाब तक जा पहुंची। पूछताछ के दौरान सामने आया कि नशे की सप्लाई पंजाब से की जा रही थी, जिसके बाद पुलिस ने मोहाली, फाजिल्का और फिरोजपुर से जुड़े आरोपियों पर शिकंजा कसा। पुलिस कार्रवाई में पहले चंडीगढ़ से एक सप्लायर को हिरासत में लिया गया, इसके बाद मोहाली से फाजिल्का निवासी सतनाम सिंह को गिरफ्तार किया गया, जिसके कब्जे से भी चिट्टा बरामद हुआ। रिमांड के दौरान सतनाम की निशानदेही पर पुलिस ने पंजाब के फिरोजपुर जिले के कुलविंदर सिंह को मुख्य तस्कर के रूप में गिरफ्तार किया। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपियों के बीच बैंक खातों के जरिए लाखों रुपये का लेन-देन हुआ है, जो पंजाब से संचालित नशा तस्करी नेटवर्क की पुष्टि करता है। अब तक इस मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और 20 ग्राम से अधिक चिट्टा बरामद किया गया है। मुख्य आरोपी को अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस पंजाब में फैले इस नशा नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और आरोपी के पुराने आपराधिक रिकॉर्ड की जांच में जुटी हुई है।

पाकिस्तानी तस्करों से संपर्क करने वाला गिरफ्तार

फाजिल्का (सत्ता संदेश)-थाना सदर फाजिल्का पुलिस ने एक व्यक्ति को पाकिस्तानी तस्करों से फोन पर बात करके हेरोइन मंगवाने और काबू करके उसके खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस को मुखबिर ने सूचना दी थी कि राज सिंह निवासी गांव महातम नगर पाकिस्तानी तस्करों से फोन पर बात करता है। वह कांवावाली पुल बांध पर बैठा पाकिस्तानी तस्करों से फोन पर बात करके हेरोइन मंगवा रहा है। पुलिस ने उसे दो मोबाइल फोन सहित काबू करके उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

हम एकता के लिए तैयार हैं, सुखबीर बादल पद छोड़ें : हरप्रीत सिंह

कहा, सिख व पंथ के साथ हो रहे धक्के के खिलाफ शीघ्र करेंगे संघर्ष शुरू

लौंगोवाल (सत्ता संदेश)- शिरोमणि अकाली दल पुनसुरजीत के अध्यक्ष ज्ञानी के हरप्रीत सिंह ने गुरुद्वारा जन्म स्थान शहीद भाई मनी सिंह में पत्रकारों से बातचीत दौरान बिक्रमजीत सिंह मजीठिया द्वारा पंथक एकता के लिए की अपील पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 2 दिसम्बर को श्री अकाल तख्त साहिब की फसील से भी तो पंथक एकता की ही अपील की गई थी, जिस पर कई पंथ प्रस्त नेताओं ने अमल करते हुए अपने-अपने पदों से इस्तीफा देकर पंथक एकता की नींव रखी थी परंतु इस हुकमनामे से सुखबीर सिंह बादल ही भगौड़ा हुए हैं इसलिए यदि मजीठिया साहिब पंथक एकता के लिए किसी के पास नंगे पांव जाना चाहते हैं तो सबसे पहले सुखबीर सिंह बादल के पास जाएं, क्योंकि सुखबीर ने श्री अकाल तख्त साहिब की तो नहीं मानी, हो सकता है अपने रिश्तेदार की ही मान लें। मजीठिया नंगे पांव जाकर सुखबीर को पद छोडने के लिए मना लें, हम एकता के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि 2 दिसम्बर का फैसला भी पंथक एकता का ही था, जिसे सुखबीर सिंह बादल ने ही नज़रअंदाज़ किया है। इसलिए मजीठिया श्री अकाल तख्त साहिब के हुकमनामे का सम्मान करें और सुखबीर को अपनी जिद्द और पद छोडने के लिए तैयार करें। उन्होंने कहा कि यदि समझौता होता भी है तो वह किसी मुद्दे के आधार पर नहीं बल्कि सिद्धांतों व फलसफे के आधार पर होगा। उन्होंने यह भी कहा कि सिख पंथ से हो रहे अन्याय व धोखों के खिलाफ जल्द ही अकाली दल पुनर्सुरजीत व्यापक संघर्ष आरम्भ करने जा रहा है। शिरोमणि कमेटी के पूर्व अध्यक्ष गोबिंद सिंह लौंगोवाल ने कहा कि श्री अकाल तख्त प्रत्येक सिख के लिए महान है और इससे भगौड़े लोगों को लोग कभी माफ नहीं करेंगे। इस अवसर पर पूर्व वित्त मंत्री परमिंदर सिंह ढींडसा, चेयरमैन जीत सिंह सिद्धू, जत्थेदार उदय सिंह लौंगोवाल, भाई महिंदर सिंह दुल्लट भी मौजूद थे।

उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में 300 युवतियों के धर्मांतरण का दावा

उत्तर प्रदेश (सत्ता संदेश)- उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में युवतियों से जुड़े कथित धर्मांतरण और शोषण के एक गंभीर मामले ने प्रशासन को अलर्ट कर दिया है। एक महिला की शिकायत के आधार पर पुलिस ने कई लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। हालांकि, पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत में लगाए गए कई बड़े दावों की अभी पुष्टि नहीं हुई है और जांच जारी है। मिली जानकारी के मुताबिक, पुलिस अधीक्षक (एस.पी.) बस्ती अभिनंदन ने बताया कि पीड़िता द्वारा बड़ी संख्या में महिलाओं के धर्मांतरण से जुड़े दावे किए गए हैं, लेकिन फिलहाल जांच के दौरान ऐसे दावों के समर्थन में ठोस साक्ष्य सामने नहीं आए हैं। उन्होंने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। उल्लेखनीय है कि शिकायत में एक स्थानीय व्यक्ति, अजफरुल हक उर्फ प्रिंस, और उसके सहयोगियों पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की लिखित तहरीर पर कोतवाली थाना क्षेत्र में कई धाराओं में केस दर्ज किया गया है, जिनमें जबरन संबंध बनाने, धोखे से भरोसा जीतने और दबाव बनाने जैसे आरोप शामिल हैं। मुख्य आरोपी को मुंबई के बांद्रा क्षेत्र से गिरफ्तार कर न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेजा गया है। दूसरी तरफ पीड़िता का कहना है कि उसकी मुलाकात आरोपी से कुछ वर्ष पहले हुई थी। आरोप है कि आरोपी ने अपनी पहचान छिपाकर उससे संपर्क किया और शादी व नौकरी का भरोसा दिलाया। महिला का आरोप है कि बाद में उसके साथ जबरदस्ती की गई और विरोध करने पर धमकियां दी गईं। उसने अपने परिवार को भी डराने-धमकाने का आरोप लगाया है।

स्पा सैंटर की आड़ में देह व्यापार के धंधे का पर्दाफाश

पुलिस ने स्पा संचालक को किया गिरफ्तार

मोहाली (सत्ता संदेश)-फेज 11 थाना पुलिस ने सूचना के आधार पर ही सैक्टर 67 सिथत सीपी माल के समीप एक इमारत में चल रहे स्पा सेंटर पर दबिश कर जांच के आधार पर स्पा संचालक रोमी पासी के खिलाफ बनती अपराधिक वारदातों के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है, जबकि इस केस में पुलिस ने उस इमारत के मालिक को भी केस में नामजद किया है, जिसके बारे में जांच जारी है। पुलिस द्वारा दर्ज किए गए केस में अनुसार स्पा संचालक पर बाहरी राज्यों से भोली भाली लड़कियों को यहां लाकर उनके देह व्यापार करवाए जाने के संगीन आरोप है। पुलिस ने केस के आधार पर तौर पर वहां से बरामद युवितयों के बयान भी जांच में सामिल किए है। डी.एस.पी. सिटी 2 हरसिमरन सिंह बल के निर्देशों पर

फेज 11 थाना प्रभारी अमन बैदवान ने यह कारवाई की है। पुलिस द्वारा दर्ज किए गए केस के अनुसार पुलिस को सूचना मिली थी कि सैक्टर 67 में एक इमारत पर बोर्ड लगा थाए जिस पर गोल्डन युनसैक्स स्पा लिखा हुआ था। पुलिस को सूचना मिली थी कि इस स्पा सैंटर में बाहरी राज्यों से भोली भाली युवतियों को यहां लाकर उनसे देह व्यापार करवाया जा रहा था। पुलिस ने सूचना मिलने पर डी.एस.पी. सिटी 2 हरसिमरन सिंह बल की निर्देशों पर जांच शुरू की गई। जांच के आधार पर टीम ने स्पा सेंटर में जाकर जानकारी को सही पाया। पुलिस ने वहां मिली युवतियों के बयानों को भी केस का आधार बना कर स्पा सैंटर के संचालक रोमी पासी के खिलाफ बनती अपराधिक धाराओं के तहत केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है जबकि केस में इमारत के मालिक को भी नामजद किया गया है। पुलिस केस की आगामी जांच में जुटी है।

10 ट्रेनों का किराया कम होने से रेलयात्रियों को राहत

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-ट्रेन से सफर करने वाले लाखों यात्रियों के लिए अच्छी खबर आई है। रेलवे ने बड़ा फैसला लेते हुए देश की 10 प्रमुख ट्रेनों से सुपरफास्ट का दर्जा हटाने का फैसला किया है। यह बदलाव अप्रैल के मध्य (13 से 16 अप्रैल के बीच) से लागू होगा। सुपरफास्ट का दर्जा हटते ही इन ट्रेनों का टिकट किराया कम हो जाएगा, जिससे यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा। ये ट्रेनें अब सामान्य एक्सप्रैस के रूप में चलेंगी और इनके ट्रेन नंबर भी बदल दिए जाएंगे। इसी तरह सुपरफास्ट टैग हटने वाली प्रमुख ट्रेनों में प्रयागराज रामबाग-हावड़ा विभूति एक्सप्रैस रास्ते में 31 स्टेशनों पर रुकती है, हावड़ा-कालका नेताजी एक्सप्रैस (प्रयागराज जंक्शन होकर) कुल 38 स्टेशनों पर ठहराव है। रेलवे का कहना है कि इन ट्रेनों में ठहराव ज्यादा होने के कारण इनकी गति सामान्य एक्सप्रेस जैसी हो गई थी, इसलिए इन्हें सुपरफास्ट बनाए रखना सही नहीं था।

महिला को बिना मर्जी मां बनने के लिए ....

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

कोर्ट ने मुंबई के जेजे अस्पताल को पूरी सुरक्षा और मेडिकल देखरेख में यह प्रक्रिया पूरी करने का आदेश दिया है। अदालत ने इस बात को दरकिनार कर दिया कि गर्भ ठहरने की वजह क्या थी; कोर्ट के लिए सबसे बड़ी सच्चाई यह थी कि पीड़िता नाबालिग है और वह इस बोझ को आगे नहीं ढोना चाहती। सुनवाई के दौरान जजों ने स्वीकार किया कि यह उनके लिए भी एक कठिन घड़ी थी। एक तरफ वह अजन्मा बच्चा था जो दुनिया में आ सकता था, और दूसरी तरफ एक छोटी बच्ची का भविष्य था। जस्टिस नागरथना ने कहा कि कानून में वैसे तो 24 हफ्ते तक ही गर्भपात की सामान्य अनुमति है, लेकिन सिर्फ वक्त ज्यादा बीत जाने के आधार पर किसी को मजबूर नहीं किया जा सकता। अगर लड़की साफ तौर पर कह रही है कि वह मां नहीं बनना चाहती, तो 30 हफ्ते की मियाद को बाधा नहीं बनाया जाना चाहिए।

'कर्ज के जाल' में फंसता पंजाब

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

बेरोजगारी और पलायन- नए उद्योग न लगने और विकास कार्य रुकने की वजह से युवाओं को पंजाब में नौकरियां नहीं मिल पा रही हैं, जिसके कारण बड़े स्तर पर पंजाब के युवा विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं।

सैलरी और फंड्स में देरी- कई बार सरकारी कर्मचारियों की सैलरी और पेंशन देने में भी देरी की खबरें आती हैं, क्योंकि खजाने में नकदी की समस्या बनी रहती है।

पंजाब इस समय 'कर्ज के जाल' में फंसता दिख रहा है, जहाँ पुराना कर्ज और उसका ब्याज चुकाने के लिए भी सरकार को नया कर्ज लेना पड़ रहा है।

अनिल अंबानी को स्वीडिश लड़की का जेफरी ...

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

जब अंबानी ने कहा कि वह मई 2019 में न्यूयॉर्क में होंगे, तो एपस्टीन ने उन्हें मिलने का निमंत्रण दिया। एपस्टीन ने लिखा, 'और अगर आप कुछ लोगों से निजी तौर पर मिलना चाहें, तो मुझे बताएं।' दस्तावेजों से पता चलता है कि सहायकों ने मैनहट्टन के अपर ईस्ट साइड स्थित एपस्टीन के घर पर दोनों व्यक्तियों के बीच हुई मुलाकात की पुष्टि की'

अंबानी के प्रतिनिधि ने इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है'

अर्श से फर्श पर पहुंचे अनिल अंबानी

पिछले एक दशक में दोनों भाइयों की किस्मत में जबरदस्त उतार-चढ़ाव आया है। कभी अरबपति रहे अनिल अंबानी की लगभग सारी संपत्ति हाल के वर्षों में खत्म हो गई है। 2019 में, अनिल अंबानी जेल जाने से बाल-बाल बच गए, जब मुकेश अंबानी ने अदालत के आदेशानुसार 80 मिलियन डॉलर का भुगतान उस विक्रेता को किया, जिसने अनिल अंबानी की दूरसंचार कंपनी पर बकाया राशि के लिए मुकदमा किया था. भारत में उन पर लगातार जांच जारी है। बुधवार को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्रीय जांच एजेंसियों को अनिल अंबानी और उनकी कंपनियों द्वारा कथित तौर पर किए गए 400 अरब रुपये (4.4 अरब डॉलर) के बैंक ऋण धोखाधड़ी मामले की जांच में तेजी लाने का निर्देश दिया.

प्रेमी के साथ भागने पर बाप ने किया जिंदा बेटी का श्राद्ध

उदयपुर (सत्ता संदेश)-राजस्थान के उदयपुर में एक युवती के प्रेमी के साथ भाग जाने के बाद उसके पिता ने यहां दावा किया कि उसकी बेटी %मर चुकी' है। उसने उसका श्राद्ध किया और पिता समेत पूरे परिवार ने शोक संदेश छपवाकर बेटी का मृत्युभोज भी किया। यह कथित घटना उदयपुर शहर के बाहरी इलाके के एक गांव से सामने आई है, जहां एक लड़की कथित तौर पर अपने प्रेमी के साथ भाग गई। पिता ने बताया कि उसने पुलिस की मदद से अपनी बेटी को ढूंढ निकाला और 28 जनवरी को उससे मुलाकात की। पिता ने दावा किया कि उसने दो दिन तक उससे बात की। बेटी ने वापस लौटने अथवा परिवार की सलाह मानने से इनकार कर दिया। बेटी ने कथित तौर पर अपने पिता से कहा कि वह परिवार के साथ कोई रिश्ता नहीं रखना चाहती और अपनी जिंदगी अपने प्रेमी के साथ बिताना चाहती है। इसके बाद, परिवार ने महिला से सभी रिश्ते खत्म करने का फैसला किया। परिवार ने एक शोक संदेश छपवाया, जिसमें बताया गया कि 28 जनवरी को उसकी मौत हो गई थी। वीरवार को पारंपरिक तौर पर श्राद्ध किया गया। पिता ने कहा कि उन्होंने पारंपरिक हिंदू रस्में निभाईं जो किसी व्यक्ति की मौत के बाद की जाती है। इसके साथ ही पिता ने कहा कि उसे विरासत से बेदखल करने का भी फैसला किया। पिता ने कहा कि हमारे लिए, वह अब जीवित नहीं है।

बठिंडा में सरकारी दफ्तरों से महत्वपूर्ण रिकॉर्ड गायब

रिकॉर्ड का गायब होना किसी बाहरी व्यक्ति के लिए संभव नहीं

बठिंडा (सत्ता संदेश)-बठिंडा में सरकारी दफ्तरों से महत्वपूर्ण रिकॉर्ड गायब होने और नष्ट होने की रहस्यमयी घटनाओं की कड़ी लगातार लंबी होती जा रही है। नगर निगम दफ्तर के रिकॉर्ड रूम में संदिग्ध आग लगने और अहम दस्तावेज जलने का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था कि अब खेतीबाड़ी एवं किसान भलाई विभाग के मुख्य दफ्तर से महत्वपूर्ण रिकॉर्ड चोरी होने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस संबंध में विभाग के डायरैक्टर जसवंत सिंह ने थाना कैनाल कॉलोनी पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है, जिसके बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। 19 जनवरी को हुई चोरी, अब जाकर हुआ खुलासा शिकायत में बताया गया है कि 19 जनवरी 2026 को खेतीबाड़ी विभाग के मुख्य कार्यालय से विभागीय रिकॉर्ड चोरी हो गया। चोरी हुआ रिकॉर्ड विभाग के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया जा रहा है, जिससे जुड़े कई विभागीय मामलों और योजनाओं की फाइलें शामिल थीं। सूत्रों के अनुसार यह रिकॉर्ड किसी बड़े घोटाले या विभागीय अनियमितताओं से जुड़े तथ्यों और सबूतों को मिटाने की सुनियोजित साजिश का हिस्सा हो सकता है। अंदरूनी मिलीभगत की आशंका जानकार सूत्रों का कहना है कि इतने महत्वपूर्ण रिकॉर्ड का अचानक गायब होना किसी बाहरी व्यक्ति के लिए संभव नहीं है। बिना विभागीय कर्मचारियों या अधिकारियों की संलिप्तता के इतनी बड़ी घटना को अंजाम देना लगभग असंभव माना जा रहा है। पुलिस भी इस एंगल से जांच कर रही है कि रिकॉर्ड चोरी के पीछे विभाग के भीतर से ही कोई हाथ तो नहीं है।

नगर निगम बठिंडा के रिकॉर्ड रुम में आग का मामला संदिग्ध

गौरतलब है कि कुछ दिन पहले नगर निगम बठिंडा के रिकॉर्ड रूम में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई थी, जिसमें कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जलकर राख हो गए थे। बताया गया था कि जले हुए रिकॉर्ड में कई ऐसे मामले शामिल थे, जिनकी जांच विजिलेंस ब्यूरो और स्थानीय निकाय विभाग द्वारा भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर की जा रही थी। जांच अधिकारी निगम अधिकारियों से संबंधित रिकॉर्ड तलब कर चुके थे, लेकिन उससे पहले ही रिकॉर्ड विजिलेंस को सौंपा नहीं जा सका और रिकॉर्ड रूम में आग लग गई। इस घटना को भी पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने संदिग्ध मानते हुए जांच शुरू की थी। सरकारी रिकॉर्ड की सुरक्षा पर बड़ा सवाल लगातार सामने आ रही इन घटनाओं ने सरकारी दफ्तरों में रिकॉर्ड की सुरक्षा, पारदर्शिता और जवाबदेही व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिकॉर्ड जलने और चोरी होने की घटनाएं क्या केवल संयोग हैं या फिर किसी बड़े घोटाले को दबाने की साजिश-यह सवाल अब आम जनता और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

राहुल गांधी सिर्फ रवनीत बिट्टू ही नहीं, देश की सेना के खिलाफ भी गलत बयानबाजी करते हैं-मोहनलाल बड़ौली

सोनीपत (सत्ता संदेश)- सोनीपत में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली ने राहुल गांधी पर तीखा जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को रवनीत सिंह बिट्टू और सिख समुदाय से माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने रवनीत सिंह बिट्टू का ही नहीं बल्कि सिख समुदाय का अपमान किया है। अब राहुल गांधी के इस बयान पर बीजेपी सड़कों से लेकर सदन तक राहुल गांधी की मोर्चाबंदी करने में जुट गई है। आज सोनीपत में बड़ौली के नेतृत्व में कांग्रेस और राहुल गांधी का पुतला फूंका गया और उनसे माफी मांगने की बात कही गई। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि पहले बिट्टू कांग्रेस में थे अब है बीजेपी में तो क्या हुआ। वो रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ ही नहीं बल्कि देश की सेना के खिलाफ भी गलत बयानबाजी करते हैं। सदन में उस किताब का जिक्र किया जिसको अभी तक प्रकाशित नहीं किया गया है। राहुल गांधी के सारे बयान देश और सेना के खिलाफ होते हैं। मनेरगा पर विपक्ष के सवालों पर मोहनलाल बड़ौली ने कहा कि मजदूरों को हम 125 दिन की मजदूरी की गारंटी दे रहे हैं। भ्रष्टाचार को इस योजना से हमने बिल्कुल खत्म कर दिया है। भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने का काम कांग्रेस ने किया। पंजाब और हिमाचल में तो इस योजना को बंद ही कर दिया गया। बड़ौली ने कहा कि चुनाव आयोग जब भी घोषणा करेगा हम चुनाव के लिए तैयार हैं। जहां-जहां चुनाव होंगे, वहां-वहां बीजेपी जीत दर्ज करेगी। उचाना से बीजेपी विधायक देवेंद्र अत्री की सुप्रीम कोर्ट में याचिका रद्द होने पर बताया कि हम माननीय अदालत के फैसले का सम्मान करते हैं और जो भी फैसला आएगा उसी पर चुनाव आयोग काम करेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद को लेकर स्पष्ट....

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

साथ हम सेमीकंडक्टर, स्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में साझेदारी को आगे बढ़ाएंगे। प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र के प्रति भारत के दृष्टिकोण पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र विश्व के विकास के इंजन के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत आसियान (दक्षिणपूर्व एशियाई देशों का संघ) के साथ मिलकर पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विकास, शांति और स्थिरता के लिए प्रतिबद्ध है। मलेशिया के प्रधानमंत्री इब्राहिम ने कहा कि भारत और मलेशिया व्यापार, निवेश, संपर्क और रक्षा के क्षेत्र में सहयोग का विस्तार करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार और आर्थिक मोर्चे पर भारत ने शानदार वृद्धि दर्ज की है।

भारत के प्रमुख साइकिल ब्रांड्स एवन साइकिल्स ने मुंबई इंडियंस के साथ की पार्टनरशिप

लुधियाना (सत्ता संदेश)- भारत के प्रमुख साइकिल ब्रांड्स एवन साइकिल्स ने टी-20 लीग 2026 के लिए मुंबई इंडियंस के साथ अपनी पार्टनरशिप की घोषणा की, जिसमें वह फ्रेंचाइजी का आफिशियल साइक्लिंग पार्टनर होगा। यह जुड़ाव दो प्रतिष्ठित भारतीय ब्रांड्स को एक साथ लाता है जो खेल के प्रति प्यार, युवाओं और पूरे देश में हाई एड्रेनालाइन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक मजबूत जुड़ाव सांझा करते हैं। इस स्पान्सरशिप के माध्यम से एवन साइकिल्स फिटनेस के सांझा विजन को स्थापित करने और खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए मुंबई इंडियंस के साथ साझेदारी करेगा। इस सहयोग का जश्न मनाने के लिए एवन साइकिल्स एम.टी.बी. रेंज में एक विशेष एडिशन को ब्रांडेड साइकिल पल्टन लांच कर रहा है। यह साइकिल सभी रिटेल चैनलों के साथ-साथ आनलाइन भी खरीदने के लिए उपलब्ध होगी। इस जुड़ाव के बारे में बात करते हुए मैनेजिंग डायरैक्टर ओंकार सिंह पाहवा और ऋषि पाहवा ने कहा कि एवन साइकिल्स महत्वाकांक्षा, निरंतरता और जीतने वाली मानसिकता का प्रतीक है। ऐसे मूल्य जो मुंबई इंडियंस के साथ दृढ़ता से मेल खाते हैं। पूरे भारत में गहरी जड़ों वाले ब्रांड के रूप में, यह पार्टनरशिप हमें मुंबई इंडियंस की ऊर्जा और देश भर के क्रिकेट प्रशंसकों के जुनून के साथ जुड़ने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान करती है। ज्वाइंट एम.डी. मनदीप सिंह पाहवा ने कहा कि टी 20 लीग देश के युवाओं और पारिवारिक दर्शकों के लिए सबसे ज्यादा देखे जाने वाले खेलों में से एक है। मुंबई इंडियंस के साथ हाथ मिलाने से हमें पूरे देश में अपनी पहुंच को मजबूत करने में मदद मिलती है। यह हमें रिटेल और डिजिटल चैनलों पर सार्थक टचपाइंट बनाने में मदद करता है।

लुधियाना में 9 साल के बच्चे की निर्मम हत्या

लुधियाना (सत्ता संदेश)- लुधियाना में एक 9 वर्षीय बच्चे की निर्मम हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने शनिवार शाम को कासाबाद गांव के पास झाड़ियों में बच्चे का शव बरामद किया है। मृतक की पहचान अमन (9) के रूप में हुई है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में कहा है कि बच्चे की गला रेतकर हत्या की गई है। जानकारी अनुसार अमन तीन दिन पहले घर के बाहर खेलते समय अचानक गायब हो गया था। परिजन उसे ढूंढते रहे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। परिवार ने अमन की तलाश में गांव के आसपास और आस-पास के इलाकों में भी काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। शनिवार शाम को कासाबाद गांव के पास झाड़ियों में एक संदिग्ध स्थिति में शव देखा गया और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी।

डेरों से होकर गुजरता पंजाब की सत्ता का रास्ता

पंजाब की सियासत में पंजाब के डेरे रखते है खास अहमियत अच्छे-अच्छे राजनेता डेरो में जाकर बाबाओ से लेते हैं राजनीतिक आशीर्वाद

सत्ता संदेश (सराना)- पंजाब की राजनीति को समझने के लिए 'डेरा कल्चर' को समझना बेहद जरूरी है। यह एक खुली हकीकत है कि चुनाव नजदीक आते ही बड़े-बड़े दिग्गज नेता डेरा प्रमुखों के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंच जाते हैं।

इसके पीछे के मुख्य कारणों और समीकरणों को हम इन बिंदुओं से समझ सकते हैं:

एकमुश्त वोट बैंक

पंजाब में डेरों के पास लाखों की संख्या में श्रद्धालु हैं।

आदेश का पालन: कई डेरों में श्रद्धालुओं का अपने गुरु के प्रति इतना समर्पण होता है कि वे डेरा प्रमुख के एक इशारे पर किसी विशेष पार्टी को वोट दे देते हैं।

नेताओं को पता होता है कि घर-घर जाकर प्रचार करने से बेहतर है कि डेरा प्रमुख को मना लिया जाए, जिससे हजारों-लाखों वोट एक साथ मिल सकते हैं।

सामाजिक और जातिगत समीकरण

पंजाब में डेरों का उदय सामाजिक गैर-बराबरी की वजह से भी हुआ है।

दलित वोट बैंक: पंजाब में दलित आबादी का प्रतिशत देश में सबसे ज्यादा (लगभग 32%) है। ऐतिहासिक रूप से जब वंचित वर्गों को मुख्यधारा के धार्मिक स्थलों में बराबरी का सम्मान नहीं मिला, तो उन्होंने डेरों का रुख किया।

यही कारण है कि दोआबा क्षेत्र में, जहाँ दलित आबादी ज्यादा है, वहां 'डेरा सचखंड बल्लां' जैसे डेरों का राजनीतिक प्रभाव बहुत गहरा है।

प्रमुख डेरे जिनका प्रभाव है

पंजाब के अलग-अलग इलाकों (माझा, मालवा, दोआबा) में अलग-अलग डेरों का दबदबा है:

राधा स्वामी सत्संग ब्यास: इनका प्रभाव पूरे पंजाब में है और ये आमतौर पर किसी एक पार्टी का खुला समर्थन करने से बचते हैं, लेकिन नेताओं का आना-जाना यहाँ लगा रहता है।

डेरा सच्चा सौदा :इनका प्रभाव मुख्य रूप से मालवा क्षेत्र में है, जो पंजाब की सत्ता की चाबी माना जाता है (सबसे ज्यादा सीटें यहीं हैं)।

डेरा सचखंड बल्लां: इनका प्रभाव जालंधर और होशियारपुर बेल्ट (दोआबा) में बहुत ज्यादा है।

नेताओं की मजबूरी

चुनावों में जीत का अंतर अक्सर बहुत कम होता है। ऐसे में, अगर कोई डेरा 5,000-10,000 वोट भी इधर से उधर कर दे, तो हार-जीत का फैसला बदल जाता है। इसीलिए, चाहे अकाली दल हो, कांग्रेस हो या आम आदमी पार्टी, कोई भी डेरों की अनदेखी करने का जोखिम नहीं उठा सकता।

निष्कर्ष: हालांकि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए एक बहस का विषय है कि क्या धर्म और आस्था का इस्तेमाल वोटों के लिए होना चाहिए, लेकिन जमीनी हकीकत यही है कि 'पंजाब की सत्ता का रास्ता डेरों से होकर गुजरता है।'

बढ़ती मांग ने डॉग ब्रीडिंग के कारोबार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया

* युवाओं ने अपने शौक को ही अपना व्यवसाय बना लिया
* विदेशी नस्ल के डॉग्स से युवा कर रहे हैं लाखों की कमाई

लुधियान (सत्ता संदेश)-डॉग ब्रीडिंग यानि हाई प्रोफाइल बिजनैस। इससे हमारा युवा भी तेजी के साथ ग्रो कर रहा है क्योंकि इसके लिए वह देसी-विदेशी नस्ल के डॉग खरीद कर अच्छे पिल्ले तैयार करता है, जिसे बाद में हजारों व लाखों में बेचकर अच्छी कमाई कर रहा है। युवाओं ने अपने शौक को ही अपना व्यवसाय बना लिया है। बढ़िया ब्रीड व विदेशी नस्लों के डॉग्स की बढ़ती मांग ने डॉग ब्रीडिंग के कारोबार को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है। गौरतलब है कि इस समय सिर्फ गांव के ही नहीं बल्कि शहर के युवा भी डॉग ब्रीडिंग को कर रहे हैं, जो अपने पैट्स के लिए कई महंगे फार्म हाऊस भी खरीदते हैं, जहां पर उनकों पूरी देखरेख में रखा जा रहा है। डॉग होस्टल के कमलप्रीत सिंह सोनी ने बताया कि इस समय में डॉग ब्रीडिंग में गोल्डन रिटरिवर, लैब्राडोर, बीगल, शिजू, साइबेरियन हस्की, डावरमैन, जर्मन शेफर्ड, च्यो- च्यो, पग, पॉमेरियन, अमरीकन बुली सहित कई नस्लों की मांग सबसे ज्यादा है। इनमें कई पैट्स की कीमत 50 हजार से शुरू होकर 5 लाख तक की है, जबकि कई चैंपियन डॉग्स के पिल्लें की कीमत और भी ज्यादा होती हैं। गोल्डन रिटरिवर ब्रीडर ने बताया कि इस समय कई ब्रीडर ऑस्ट्रेलिया, थाईलैंड, हंगरी, सर्बिया, यूके सहित कई देशों से विदेशी नस्ल के डॉग्स को इंपोर्ट करवा रहे हैं। यहां से डॉग लेने के बाद उनकी ब्रीडिंग पर काम किया जाता है। एक विदेशी नस्ल के डॉग को इंपोर्ट करवाने पर से 10 लाख रुपए तक का खर्च उठाया जा रहा है। इसके बाद डॉग की ब्रीडिंग करके बढ़िया पिल्लों की बिक्री से अच्छा मुनाफा ब्रीडर कमा रहा हैं। कई ब्रीडर्स साल में ही लाखों से करोड़ों रुपए तक का टर्नओवर कर रहे हैं।

सही ब्रीडिंग के लिए नॉलेज जरूरी-वैटर्नरी विशेषज्ञ- गुरु अंगद देव वैटर्नरी एंड एनिमल साइंस यूनिवर्सिटी के विशेषज्ञ डॉ. गुरप्रीत सिंह प्रीत के मुताबिक डॉग ब्रीडिंग केवल शौक के तौर पर नहीं की जा सकती। इसके लिए पूरी नॉलेज होना भी जरूरी है। कई बार डॉग ब्रीडिंग के वक्त एक फीमेल डॉग की डिलीवरी समय कई चैलेंज होते हैं। इनके बच्चों को बचाने के लिए कई दिनों तक केयर करनी पड़ती है। मगर कई ब्रीडर को सही विधि का पता नहीं होता है कि डॉग को डाइट में क्या देना है या क्या ट्रीट करवाना है इस वजह से छोटे पिल्ले जन्म लेने के बाद मर जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि जो भी ब्रीडिंग का बिजनैस कर रहा है वह पूरी स्टडी के साथ ही करे। अगर किसी भी ब्रीडर को पूरी ज तरह से जानकारी होगी तो वह एक अच्छा ब्रीडर बन सकेगा।

38वीं आधुनिक ग्रामीण मिनी ओलंपिक जरखड़ खेलें 13, 14 और 15 फरवरी को होंगी

सात प्रतिष्ठित शख्सियतों का होगा विशेष सम्मान

लुधियाना (सत्ता संदेश)-माता साहिब कौर स्पोर्ट्स चैरिटेबल ट्रस्ट, गांव जरखड़ द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित जी.एस.टी. ट्रक परमिट, एवॉन साइकिल, 38वीं आधुनिक ग्रामीण मिनी ओलंपिक जरखड़ खेल महोत्सव 13 से 15 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। जरखड़ खेलों के समापन समारोह में 15 फरवरी को दोपहर 1.00 बजे सात प्रतिष्ठित शख्सियतों का विशेष सम्मान किया जाएगा। इनमें पंजाब के पूर्व डीजीपी एवं खेल प्रचारक श्री चंद्रशेखर को 'खेल प्रचारक अमरजीत ग्रेवाल अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा, पद्मश्री बलदेव सिंह को 'भगत पूरण सिंह अवॉर्ड' प्रदान किया जाएगा, प्रभदीप सिंह नाथोवाल, उप निदेशक, सूचना एवं जन संपर्क विभाग को 'पंजाब का मान अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा, श्रीमती सिमरनजीत कौर गिल, प्रो वाइस चांसलर, सीटी यूनिवर्सिटी, लुधियाना को 'पंजाब की बेटियों का मान अवॉर्ड' प्रदान किया जाएगा, पत्रकार दविंदरपाल सिंह चंडीगढ़ को 'पंजाब की पत्रकारिता का मान अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा, साइकिलिस्ट हर्षवीर सिंह सेखों को 'ओलंपियन सुरजीत सिंह रंधावा अवॉर्ड' प्रदान किया जाएगा, वेटरन हॉकी खिलाड़ी करमजीत सिंह ग्रेवाल (यूएसए) को 'ओलंपियन प्रिथीपाल सिंह अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। यह महत्वपूर्ण निर्णय आज जरखड़ खेल ट्रस्ट की बैठक में लिया गया। जरखड़ खेल स्टेडियम में आज हुई बैठक के बाद चेयरमैन नरिंदर पाल सिंह सिद्धू (पूर्व ए.आई.जी.) और मुख्य आयोजक जगरूप सिंह जरखड़ ने बताया कि इन खेलों की मुख्य आकर्षण महिंदर प्रताप सिंह ग्रेवाल हॉकी गोल्ड कप और नायब सिंह ग्रेवाल जोधा कबड्डी कप होंगे। प्रतियोगिताओं में लड़के और लड़कियों की हॉकी, अंडर-17 लड़कों की हॉकी, ओपन कबड्डी, 50+ वर्ष के वरिष्ठों की कबड्डी धर्मा सिंह जरखड़ कबड्डी कप, अमरजीत ग्रेवाल की स्मृति में कबड्डी, फुटबॉल (60 किलो लड़के और अंडर-19 लड़कियां), बाबा सुरजन सिंह सरींह की स्मृति में सीनियर वर्ग की रस्साकशी प्राइमरी स्कूल के बच्चों के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे दौड़, प्राइमरी स्तर की कबड्डी, रस्साकशी आदि शामिल होंगी। केवल आमंत्रण पत्र वाली टीमों को ही भाग लेने की अनुमति होगी। प्रधान एडवोकेट हरकमल सिंह और मनमोहन ग्रेवाल मोहना जोधा (सीटल) ने बताया कि जरखड़ खेलों का मुख्य उद्देश्य नशा मुक्त समाज का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि उद्घाटन समारोह भव्य होगा, जिसमें ड्रैगन एकेडमी के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक गीत और कोरियोग्राफी, लोक गायक जसवंत संदीला द्वारा जरखड़ खेलों पर विशेष गीत तथा अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण होंगी। समापन दिवस 15 फरवरी को दोपहर 2.00 बजे प्रसिद्ध लोक गायकों सतविंदर बिट्टी, जसवंत संदीला, नीतू विर्क, गुरजान आदि के साथ एक खुला सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

23 फरवरी से सजेगा पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी लुधियाना में स्वदेशी मेला

लुधियाना (सत्ता संदेश)-पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी में 23 फरवरी से 1 मार्च तक आयोजित होने जा रहे भव्य स्वदेशी मेले की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को फिरोजपुर रोड स्थित श्रमण स्वीट्स में एक अहम बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अगुवाई स्वदेशी जागरण मंच उत्तर भारत के पूर्णकालिक मोहित गोयल ने की। बैठक के दौरान मेले की सरपरस्ती केजी एक्सपोर्ट्स के हरीश दुआ को सौंपी गई। बैठक में बताया गया कि यह मेला स्वदेशी जागरण मंच की ओर से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें देश की सांस्कृतिक, औद्योगिक और हस्तशिल्प विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत किया जाएगा। मेले में देश के विभिन्न राज्यों से 200 से अधिक नैशनल अवार्डी कारीगर और उद्यमी अपने-अपने स्टॉल लगाएंगे। स्वदेशी मेले में बिहार की खड्डी पर बनी हथकरघा वस्त्र, राजस्थान के मिट्टी से बने पारंपरिक खिलौने, कश्मीर की शॉल, पूर्वोत्तर की बांस कला, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की जनजातीय कलाकृतियां, उत्तर प्रदेश के पीतल और लकड़ी के उत्पाद सहित हर राज्य की विशिष्ट पहचान को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ ही स्वदेशी उद्योग, एम.एस.एम.ई. और महिला स्वयं सहायता समूहों को भी विशेष मंच मिलेगा। मेले की शोभा बढ़ाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों की भी भव्य व्यवस्था की गई है। जानकारी के अनुसार 9 नामी सिंगर हर रोज प्रस्तुति देंगे और हर रोज एक बड़ा कलाकार दर्शकों का मनोरंजन करेगा। इनमें मशहूर गायिका ऊषा उत्थप जैसी जानी-मानी शख्सियतों का नाम भी शामिल है। मेले में बतौर मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू, गिरिराज सिंह, गजेंद्र सिंह शेखावत सहित कई अन्य विशिष्ट अतिथि शिरकत करेंगे। बैठक के दौरान मोहित गोयल ने कहा कि स्वदेशी मेला केवल एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि भारत की आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक चेतना का उत्सव है।

*** देशभर के 200 नैशनल अवार्डी लगाएंगे स्टॉल**
*** प्रोग्राम में पहुंचेंगे कई केंद्रीय मंत्री, हर रोज नामी कलाकार देंगे प्रस्तुति**

विदेश जाने का सपना अब पहले जैसे चमकदार नहीं रहा, वतन वापसी का रुझान शुरू

पंजाब में पासपोर्ट बनाने के आवेदन में लगातार कमी जारी

लुधियाना/खन्ना (सत्ता संदेश)- पंजाब के नौजवानों के लिए विदेश जाने का सपना अब पहले जैसे चमकदार नहीं रहा। विदेश मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार पंजाब में पासपोर्ट बनाने के आवेदन में लगातार कमी जारी है, जो पंजाबियों के विदेशी मोह में कमी को साफ दर्शाता है। वर्ष 2023 के बाद अब तक नए पासपोर्ट लेने में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है। 2023 में रिकार्ड 11.94 लाख पासपोर्ट जारी हुए थे, 2024 में 10.60 लाख और 2025 में यह संख्या 7.08 लाख ही रह गई। यही रुझान 2026 में भी जारी है, नए आवेदन और घटने के संकेत हैं। चाहे पंजाब तथा केन्द्र सरकारें इस विपरीत प्रवास द्वारा वतन वापसी को एक सफलता के रूप में पेश कर रही हैं, परन्तु असल में विदेशों में बढ़ते अपराध, नौकरियों की कमी, रहन-सहन के ऊंचे-खर्च और सख्त प्रवास नियमों ने पंजाबी नौजवानों को वापिस घर की तरफ लौटा दिया है। यह रिवर्स माइग्रेशन (उलट प्रवास) का एक नया युग है, जहां पंजाबी प्रवासी वापिस आ कर अपने वतन में नए मौके ढूंढ रहे हैं। उलट प्रवास की शुरुआत को समझने के लिए पंजाब के प्रवास के इतिहास की तरफ देखना जरूरी है। हालांकि यह प्रवास अंग्रेजों के पंजाब पर कब्जे के बाद ही शुरू हो गया था, परन्तु 1984 के काले दौर में पंजाबी नौजवान तेजी के साथ विदेश जाने शुरू हुए थे। 2010 से 2020 में तो पंजाब में प्रवास को ही ग्रामीण परिवारों में बचाव का एक ही रास्ता माना जाने लग पड़ा था। पंजाबी यूनिवर्सिटी के अध्यननों के अनुसार इस दशक में 13 से 14 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों में कम से कम एक सदस्य विदेश गया। पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी के एक अध्यनन मुताबिक अधिकतर लोगों ने कम आय और रोजगार की कमी को मुख्य कारण बताया। जबकि दूसरे नम्बर पर सिस्टम में भ्रष्टाचार और नशों को भी प्रवास के लिए जिम्मेदार ठहराया गया।

रिवर्स माइग्रेशन (उलट प्रवास) की शुरुआत- कोविड-19 महामारी ने इस रुझान को बदल दिया। 2020 में विदेशों में आर्थिक अस्थिरता, नौकरियों की कमी और रहने के उच्च खर्च ने कई पंजाबियों को वापिस आने के लिए मजबूर किया। यह रिवर्स माइग्रेशन की शुरुआत थी। 2021 के बाद विदेशी सरकारों ने इमीग्रेशन नियमों को सख्त किया। 2024-2026 में यह रुझान और तेज़ी के साथ बढ़ रहा है क्योंकि ट्रम्प की वापसी ने अमरीका में डिपोर्टेशन बढ़ा दिया है और कनाडा में इमीग्रेशन टारगेट घटाए गए हैं।

विदेशों में विपरीत प्रवास की स्थितियां

पंजाबियों के लिए कनाडा सबसे बड़ा आकर्षण था, परन्तु अब रिवर्स माइग्रेशन का केन्द्र बन गया है। फरवरी, 2026 में कैनेडियन बार्डर सर्विसिज एजैंसी ने भारतीयों को एक्स्टोरशन मामलों में जांच के अधीन रखा और कई को डिपोर्ट किया। कनाडा में 2025-2026 में इमीग्रेशन टारगेट घटाए गए, अस्थाई विदेशी वर्करों की संख्या 3,67,750 से घटाकर 2,30,000 किया गया। बी.बी.सी. अनुसार 2023 में 42,000 लोग कनाडा छोड़ गए। अमरीका में से जबरदस्ती डिपोर्टेशन, बिना कागजों से काम न कर सकने की स्थितियां, एच 1 बी वीजा और ग्रीन कार्ड को सीमित किए जाने के अलावा राजनीतिक शरण लेने, सख्त नियमों और नसली तनाव ने भी विपरीत प्रवास बढ़ाया है। जबकि आस्ट्रेलिया में वीजा अनिश्चितता और सामाजिक तनाव और विद्यार्थियों के लिए सख्त वीजा नियम और पक्के होने के कम आसारों ने भी उलट प्रवास को बढ़ाया है। इनमें सबसे अधिक उलट प्रवास यू.के. में से हो रहा है।

लुधियाना में शाही इमाम उस्मान पर जानलेवा हमला

लुधियाना(सत्ता संदेश)- - पंजाब के शाही इमाम मौलाना मोहम्मद उस्मान रहमानी लुधियानवी पर लुधियाना की जामा मस्जिद के बाहर हमला किए जाने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। इस हमले में शाही इमाम समेत तीन लोग घायल हुए हैं। आरोप है कि मस्जिद कार्यालय के बाहर कुछ लोगों ने ईंट-पत्थर से हमला किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह विवाद जामा मस्जिद परिसर में बनी दुकानों को लेकर लंबे समय से चला आ रहा था। शनिवार को स्थिति उस समय बिगड़ गई जब शाही इमाम मस्जिद पहुंचे। इसी दौरान तीनों आरोपी मौके पर आए और पहले बहस शुरू हुई, जो बाद में हिंसा में बदल गई।

हमलावरों ने शाही इमाम, मस्जिद कार्यालय के प्रबंधक और एक अन्य व्यक्ति पर ईंटें फेंकीं, जिससे वे घायल हो गए। बीच-बचाव करने आए अन्य लोगों के साथ भी हाथापाई की गई। घटना के बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, जिसके चलते आरोपी मौके से फरार हो गए।

मस्जिद कार्यालय प्रभारी मोहम्मद मुजाहिद की शिकायत पर थाना डिवीजन नंबर-2 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों की पहचान ब्राउन रोड निवासी उबैद-उर-रहमान, उसके बेटे अतीक-उर-रहमान और मोहम्मद अहमद के रूप में की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

www.sattasandesh.com | sattasandesh25@gmail.com

नजरिया सत्ता संदेश

सम्पादकीय

भारत-अमेरिका व्यापारिक समझौता

50% टैरिफ से मुक्ति और भविष्य की चुनौतियां

भारत और अमेरिका के बीच हालिया व्यापारिक घटनाक्रम वैश्विक कूटनीति और आर्थिक हितों के एक जटिल मेल के रूप में उभरकर सामने आए हैं। यह अत्यंत सुखद है कि अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय उत्पादों पर लगाए गए भारी-भरकम 50 प्रतिशत के टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। दरअसल, अगस्त 2025 में जब डोनाल्ड ट्रंप ने रूस से सस्ता तेल खरीदने के एवज में भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क थोपा था, तब इसे केवल एक आर्थिक फैसला नहीं बल्कि रणनीतिक दबाव के रूप में देखा गया था। हालांकि भारत ने तत्कालीन दबाव में तुरंत घुटने नहीं टेके थे, लेकिन मौजूदा व्यापार समझौते की रूपरेखा बताती है कि नई दिल्ली ने एक संतुलन साधने की कोशिश की है। टैरिफ में यह कटौती भारत के रत्न, आभूषण और वस्त्र जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए संजीवनी के समान है, जो पिछले कई महीनों से अमेरिकी बाजार में अपनी हिस्सेदारी बचाने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

भले ही टैरिफ में राहत मिली हो, लेकिन इस समझौते की अंतर्निहित शर्तों ने भारत की %रणनीतिक स्वायत्तता% पर सवालिया निशान खड़े कर दिए हैं। समझौते के व्यापक विवरणों के साथ यह स्पष्ट होता जा रहा है कि अमेरिका का पलड़ा भारी बना हुआ है। भारत को रूसी तेल की खरीद कम करने और धीरे-धीरे इसे बंद करने के लिए विवश किया गया है, जिसके संकेत भारतीय रिफाइनरियों द्वारा पश्चिम एशिया और दक्षिण अमेरिका से बढ़ते आयात में साफ देखे जा सकते हैं। इसके अलावा, अमेरिका ने अपने व्यापार घाटे को कम करने की मंशा से भारत को भारी मात्रा में रक्षा उपकरण, इलेक्ट्रॉनिक्स, पेट्रोलियम पदार्थ और विमान खरीदने के लिए बाध्य किया है। यह 'अमेरिका फर्स्ट' की उस नीति का हिस्सा है, जहां व्यापारिक साझेदारियों को केवल वाशिंगटन के वित्तीय लाभ की कसौटी पर परखा जाता है।

समझौते का सबसे विवादास्पद और संवेदनशील पहलू कृषि क्षेत्र है। अमेरिकी कृषि सचिव के बयानों से यह स्पष्ट है कि अमेरिका अपने ग्रामीण इलाकों में नकदी प्रवाह बढ़ाने और कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारतीय बाजारों को एक बड़े अवसर के रूप में देख रहा है। ऐसे में भारत के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती अपने घरेलू किसानों और डेयरी उत्पादकों के हितों की रक्षा करना है। भारत जैसे देश में, जहां कृषि केवल आजीविका नहीं बल्कि एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा है, अमेरिकी उत्पादों के लिए दरवाजे खोलना जोखिम भरा कदम साबित हो सकता है। यद्यपि भारत के प्रतिस्पर्धी देशों जैसे वियतनाम और इंडोनेशिया पर अमेरिका ने अधिक शुल्क लगाए हैं, जिससे भारत को एक अस्थायी बढ़त मिल सकती है, लेकिन यह हकीकत दरकिनार नहीं की जा सकती कि अमेरिका की व्यापारिक नीतियां पूरी तरह से उसके स्व-हितों के इर्द-गिर्द सिमटी हुई हैं। भारत के लिए यह समझौता आर्थिक राहत और रणनीतिक समझौते के बीच एक कठिन चुनाव की तरह है।

जितेंद्र कुमार, सम्पादक

सामाजिक व्यवस्था- बदलते समय के साथ एक अनिवार्य सुधार की आवश्यकता

भारत, अपनी गहरी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासतों के लिए जाना जाता है। इन विरासतों ने हमारे समाज को एक 'सामाजिक व्यवस्था' के ढांचे में ढाला है। लेकिन, क्या यह व्यवस्था आज की गतिमान और प्रगतिशील दुनिया के अनुकूल है? आज के समय में, भारतीय सामाजिक व्यवस्था के सामने चुनौतियां और सुधार की आवश्यकता, दोनों ही विकट रूप में सामने आ रहे हैं।

परंपरा और आधुनिकता का द्वंद्व- सदियों पुरानी वर्ण-आधारित या जाति-आधारित संरचना आज भी हमारे सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित कर रही है, जो कई मामलों में सामाजिक न्याय के मार्ग में बाधा है। शहरीकरण ने जरूर कुछ हद तक इन बाधाओं को कम किया है, लेकिन वे पूरी तरह से खत्म नहीं हुई हैं। आज के समाज को यह समझना होगा कि समानता और मानवीय गरिमा किसी भी व्यवस्था के लिए, जाति से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं।

लैंगिक असमानता की गूंज- भारतीय सामाजिक व्यवस्था की एक और बड़ी चुनौती पितृसत्तात्मक मानसिकता है। महिलाओं को अक्सर पत्नी या माता के रूप में ही सीमित देखा जाता है, और उनके साथ भेदभाव आज भी जारी है। जब तक हम महिलाओं को बराबरी का दर्जा नहीं देंगे, तब तक समाज का पूर्ण विकास संभव नहीं है।

सामाजिक सुरक्षा और बढ़ती चुनौतियाँ- तेजी से बढ़ती आबादी ने संसाधनों पर दबाव डाला है, जो सामाजिक अव्यवस्था के कारण बन रहे हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और समानता का अधिकार अभी भी अंतिम व्यक्ति तक नहीं पहुंचा है। एक समावेशी समाज बनाने के लिए, हमें हाशिए पर खड़े समुदायों की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

आगे की राह, जिम्मेदार नागरिकता- एक मज़बूत सामाजिक व्यवस्था, समावेशी और समतावादी होनी चाहिए। इसके लिए शिक्षा के माध्यम से चेतना को जगाना होगा और सामाजिक-सांस्कृतिक असमानताओं को दूर करना होगा। नागरिक के रूप में, हमें अपनी सोच को संकीर्णता से निकालकर, व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

समाज एक जीवंत इकाई है। समय के साथ, इसे अपनी कुरीतियों को छोड़कर नई चुनौतियों को स्वीकार करना चाहिए। मज़बूत सामाजिक व्यवस्था का अर्थ परंपराओं को पूरी तरह से भूल जाना नहीं है, बल्कि परंपराओं के नाम पर थोपी गई कुरीतियों को सुधारकर, हर व्यक्ति के लिए एक न्यायपूर्ण वातावरण तैयार करना है।

सत्ता संदेश

R.N.I. No. PBHIN/25/A4135

पब्लिशर, एडिटर, मालिक जितेंद्र कुमार और प्रिंटर अश्मीत सिंह ने न्यूज़पेपर 'सत्ता संदेश' (हिंदी साप्ताहिक), ने मुंजाल प्रिंटर्स 1558/1, अमरपुरा, माता वाली गली, सिविल हस्पताल के पास, लुधियाना, पंजाब – 141008 से छपवाकर अपने आफिस पीएल 42, वर्धमान पार्क, चंडीगढ़ रोड, मुंडियां कलां, लुधियाना, पंजाब – 141015। से प्रकाशित किया।

Publisher, Editor, Owner JITENDER KUMAR and Printer ASHMEET SINGH Newspaper Title 'SATTA SANDESH' (Hindi Weekly), Printed at MUNJAL PRINTERS 1558/1, AMARPURA MATA WALI GALI, NEAR CIVI HOSPITAL, LUDHIANA, PUNJAB - 141008 and Published from PL 42, VARDHMAN PARK, CHANDIGARH ROAD, MUNDIAN KALAN, LUDHIANA, PUNJAB - 141015.

M. +91 92162 42177
Email : sattasandesh25@gmail.com

साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में कैरियर के अवसर

पिछले डेढ़ दशकों से आईटी ने युवाओं के लिए रोजगार की एक व्यापक दुनिया खोली है, ठीक उसी तरह 2025 के अब 2026 भी साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में कैरियर, %कैरियर ऑफ द ईयर' के तरफ बढ़ चला है। आज 80 फीसदी कंपनियां अपने यहां डिजिटल सिक्योरिटी के जानकारों को अप्वाइंट कर रही हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि देश में इस समय 60 फीसदी से ज्यादा जीडीपी सर्विस क्षेत्र से तैयार होता है और समूचा सर्विस क्षेत्र साइबर अटैक का शिकार है। इसलिए चाहे बैंकिंग हो, स्वास्थ्य हो, विभिन्न सरकारी सेवाएं हों, वहीं चाहे खरीदारी हो, शिक्षा का क्षेत्र हो या फिर आइडेंटिटी का- सभी में साइबर सिक्योरिटी का चेकअप जरूरी हो गया है, क्योंकि ये सारे क्षेत्र ऑनलाइन हैं और हर ऑनलाइन क्षेत्र इस समय साइबर जालसाजों के हमलों की जद में है। यही कारण है कि इस साल किसी भी दूसरे क्षेत्र के प्रोफेशनल से ज्यादा साइबर सिक्योरिटी के जानकारों की जरूरत पड़ेगी। हकीकत यह है कि अभी भी जितने साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट की जरूरत है, उसमें से 60 फीसदी ही उपलब्ध हैं। दरअसल, साइबर सिक्योरिटी का क्षेत्र एक ऐसे क्षेत्र के रूप में उभरा है जिसमें इस साल हर समय मांग बरकरार रहेगी। कैरियर विशेषज्ञों का मानना है कि साइबर सिक्योरिटी का क्षेत्र साल 2026 के लिए कैरियर ऑफ द ईयर की ओर बढ़ता साल है। जहां डिजिटल टेक्नोलॉजी ने हमारी जिंदगी को धार और तेज रफ्तार दी है, दूसरी तरफ इस तकनीक ने हमारी पूरी जिंदगी को खतरे के घेरे में लाकर खड़ा कर दिया है। डेटा की चोरी, एकाउंट हैकिंग, रेनसमवेयर, फिशिंग, ओटीपी फॉड और अब तो धड़ल्ले से एआई आधारित साइबर अटैक होने लगे हैं। इसलिए आज भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में सबसे ज्यादा सिरदर्द और सबसे ज्यादा परेशानी साइबर अपराधियों के कारण है। इसलिए साइबर सिक्योरिटी बढ़ रही है। उम्मीद है कि इस साल पूरी दुनिया में साइबर सिक्योरिटी के जानकारों की मांग 300 फीसदी से भी ज्यादा रहने वाली है। दरअसल जिस तरह डिजिटल तकनीक जीवन का आधार बन गई है, उसी तरह से यह डिजिटल लाइफ स्मूद ढंग से चलती रहे, इसके लिए साइबर सिक्योरिटी का कवच जरूरी हो गया है। यही कारण है कि 2026 में साइबर सिक्योरिटी प्रोफेशनल्स की मांग हर क्षेत्र में और सबसे ज्यादा

है। दरअसल अगर हम चाहें कि साइबर खतरों से बचने के लिए उन रास्तों यानी उन क्षेत्रों को ही छोड़ दें जहां इसका खतरा है, तो यह संभव नहीं है। क्योंकि प्रत्यक्ष रूप से दुनिया के 60 फीसदी और अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 90 फीसदी क्षेत्र किसी न किसी रूप से डिजिटल तकनीक से जुड़े हुए हैं और जो भी क्षेत्र डिजिटल तकनीक से जुड़ा हुआ है, वह डिजिटल अपराधों की जद में है। इसलिए कहा जाता है कि जहां भी डेटा होगा, वहां डेटा फॉड भी होगा और इसलिए डेटा फॉड को पकडने वाले और रोकने वाले विशेषज्ञ भी होंगे। ऐसे में आईटी कंपनियों के लिए साइबर सिक्योरिटी 'कोर डिपार्टमेंट' बन गया है। शुरू में जब डिजिटल तकनीक आनी शुरू हुई थी, तो लोग हैकिंग करना शौकिया शुरू करते थे या सीखते थे, लेकिन आज यह व्यवस्थित अपराध है। पूरे के पूरे हैकर्स गैंग हैं। रेनसमवेयर गैंग हैं। और लाखों करोड़ों नेटवर्क लॉक तोड़कर यह हर दिन करोड़ों की कमाई या करोड़ों की लूट करते हैं। मतलब साफ है कि सिक्योरिटी खर्च अब अपने आपको सुरक्षित रखने और व्यवसाय को बचाने का जरिया बन गया है। डिजिटल टेक्नोलॉजी के चलते जहां साइबर हमले और साइबर अपराध बढ़े थे, वहीं एआई ने यानी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस ने इस खतरे को कई गुना ज्यादा बढ़ा दिया है। क्योंकि पहले ऐसे अपराधियों के पास न तो प्रॉपर भाषा थी और न तमीज, ये टूटी फूटी मेल करते थे, जिससे लोग समझ जाते थे कि ये किसी अपराधी की मेल है, लेकिन आज ऐसा नहीं होता। एआई ने इनको हर तरह की सुविधा दे दी है। ये हाइफाइ मेल करते हैं और इनका लाइफस्टाइल भी एआई के कारण हाइफाइ हो गया है। जिससे यह डीप फेक कॉल करते हैं, नकली वीडियो बनाते हैं, फर्जी सीईओ बनकर मेल करते हैं और कुछ भी अवास्तविक नहीं लगता। वजह होती है एआई। इसलिए अगर कहा जाए कि साइबर अपराधियों के लिए एआई सबसे बड़ा हथियार साबित हुई है तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट का मतलब

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट बनने का मतलब सिर्फ हैकर बनना नहीं है, बल्कि इनकी बहुत सी भूमिकाएं हैं। इसलिए कुछ साइबर एक्सपर्ट तकनीकी में माहिर होते हैं, कुछ मैनेजमेंट के एक्सपर्ट होते हैं और कुछ कानून के जानकार होते हैं। बहरहाल इस क्षेत्र में कैरियर के रास्ते मुख्यत- ये हैं-

एन.ओ.सी. एनालिस्ट-यानी सिक्योरिटी ऑपरेशन सेंटर का इंचार्ज होना। ऐसे लोग लाइव मॉनिटरिंग करते हैं और अलर्ट हैंडलिंग में माहिर होते हैं। पैनट्रेशन टेस्टर और एथिकल हैकर-ये ऐसे साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट होते हैं, जो सिस्टम में आयी खामियों को खोजकर सुधारते हैं। इनसिडेंट रिस्पोंडर-ये एक्सपर्ट हमला होने पर रिकवरी करते है और हमला न हो, इसका नियंत्रण करते हैं। क्लाउड सिक्योरिटी एक्सपर्ट-ये एडब्ल्यूएस,जीपीसी पर सुरक्षा का जिम्मा संभालते हैं। जी.आर.सी. स्पैशलिस्ट-ये एक्सपर्ट नियम कानून, पॉलिसी और रिस्क मैनेजमेंट को देखते हैं। सिक्योरिटी ऑडिटर-ये ऐसे एक्सपर्ट होते हैं जो सिस्टम की जांच और रिपोर्टिंग करते हैं। डिजिटल फॉरेंसिक एक्सपर्ट-ये साइबर क्राइम के सबूत इकट्ठा करते हैं।

जरूरी स्किल्स और शिक्षा

इस तरह देखा जाए तो साइबर सिक्योरिटी के क्षेत्र में बहुत सारे एक्सपर्ट होते हैं। इस क्षेत्र में जॉब के लिए जरूरी है एनालिटिकल थिंकिंग, डाक्यूमेंटेशन और कम्युनिकेशन में एक्सपर्ट होना। लेकिन इस क्षेत्र में कैरियर बनाना सिर्फ आईटी वालों के लिए ही नहीं है, कोई भी इस क्षेत्र का प्रोफेशनल बन सकता है। भले उसने बी.एस.सी. की जगह बीए ही क्यों न किया हो या कि लॉ या मैनेजमेंट के क्षेत्र का हो। जरूरत है तो सीखने की आदत, सुरक्षा की मानसिकता। इस क्षेत्र के प्रोफशनल्स को शुरुआत से ही कम से कम 6 लाख रुपये सालाना का पैकेज आसानी से मिल जाता है और अंत की कोई सीमा नहीं है। देश के कई ऐसे साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट हैं, जो एक-एक संस्थान से साल में अपनी सेवाएं देने के लिए कई करोड़ रुपये का मेहनताना लेते हैं। यह क्षेत्र न केवल मांग में है बल्कि इसका एक चमकदार कैरियर पक्ष भी है।

भारत-यूरोपीय संघ व्यापार समझौता- मुक्त और निष्पक्ष व्यापार के प्रति प्रतिबद्धता

भारत का यूरोप के साथ 250 ईसा पूर्व से एक समृद्ध व्यापारिक संबंध रहा है, जो सिल्क रोड से भी पहले की अवधि है। अगले 2000 वर्षों के अधिकांश हिस्से के दौरान, भारतीय मसलिन, कपास, हस्तशिल्प, मसाले, पन्ना और रत्न अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की सबसे पसंदीदा वस्तुओं में शुमार होते थे, जिनमें से अधिकांश यूरोप तक पहुँचती थीं। इन शानदार वस्तुओं के भुगतान के तौर पर भारत को सोना और चांदी मिलते थे। अपने सुनहरे दिनों में, भारत-यूरोप व्यापार ने मात्रा और पैमाने की दृष्टि से अभूतपूर्व वृद्धि हासिल की।

एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के माध्यम से इस संबंध को सुदृढ़ करने के प्रयास 2007 में शुरू हुए थे। गंभीर मतभेदों के कारण 2013 में बातचीत को रोकना पड़ा, क्योंकि कई मुद्दों पर दोनों पक्षों के विचार अलग थे। 2022 में बातचीत फिर से शुरू हुई और चुनौतियों की जटिलता के बावजूद इसे केवल दोनों राजनेताओं की मजबूत प्रतिबद्धता और दूरदर्शी नेतृत्व के कारण अंतिम रूप दिया जा सका। महत्वपूर्ण बात यह है कि जिस व्यापार समझौते को दोनों पक्षों ने बातचीत के माध्यम से पूरा किया है, वह अस्थिर वैश्विक आर्थिक परिदृश्य में नियम-आधारित व्यापार संबंध की पुष्टि करता है। यह समझौता ऐतिहासिक है सिर्फ इसलिए नहीं कि इसमें शामिल विषय और क्षेत्र व्यापक हैं; समझौता ऐतिहासिक इसलिए भी है क्योंकि दोनों पक्षों को ऐसे मुद्दों पर साझा रुख अपनाना पड़ा, जो कठिन और जटिल थे।

सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता- भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता शायद हाल के समय में किया गया सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौता है। यह दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण कर सकता है, जिसमें लगभग 2 अरब लोग और 28 देश शामिल होंगे और जो वैश्विक जीडीपी का 25 प्रतिशत है। इसके अलावा, यह समझौता मुद्दों और चिंताओं के समाधान के सन्दर्भ में आधुनिक और नवीन है। इस समझौते में व्यापार संबंध को प्रगाढ़ करने के लिए अद्यतन और मूल विषयों के साथ-साथ प्रक्रिया-संबंधी प्रावधान भी हैं। यह समझौता वस्तु और सेवा; दोनों के लिए बाजार पहुंच और नियामक बाधाओं के समाधान के लिए एक नया मॉडल स्थापित करता है, जो पारंपरिक विषयों को नवाचार-तत्वों के साथ सुदृढ़ करता है।उदाहरण के लिए, उत्पत्ति के नियमों का अध्याय सुनिश्चित करता है कि केवल वही उत्पाद जिनका पर्याप्त प्रसंस्करण या उत्पादन साझेदार देशों में हुआ है, उन्हें मूल देश का प्रमाण

श्री राजेश अग्रवाल
वाणिज्य विभाग सचिव
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

दिया जाएगा; इसे विस्तृत और जटिल उत्पाद-विशिष्ट नियमों के माध्यम से हासिल किया गया है, जो मौजूदा और नयी आपूर्ति श्रृंखलाओं के अनुरूप हैं। इसके अलावा, यह समझौता बौद्धिक संपदा संरक्षण को पुनर्स्थापित करता है और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण व सूचना प्रवाह को बढ़ावा देने पर अतिरिक्त ध्यान केंद्रित करता है।

वस्तु और सेवाओं के लिए बाजार खोलना: समझौते का मुख्य ध्यान दोनों पक्षों के विशाल और व्यापक बाजारों को एक-दूसरे के लिए खोलना है। यह समझौता भारत के निर्यात व्यापारमूल्य के 99 प्रतिशत से अधिक के लिए बाजार पहुँच प्रदान करता है, जिसमें कम से कम 90 प्रतिशत भारतीय निर्यात को समझौते के लागू होने पर तुरंत निःशुल्क प्रवेश की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से, श्रम-सघन वस्तुएँ जैसे वस्त्र और परिधान, चमड़ा, रत्न और आभूषण, लकड़ी और लकड़ी की शिल्पकलाऔर समुद्री उत्पादों को जल्दी लाभ मिलेगा। यह रसायन, इलेक्ट्रॉनिक्स, कृषि-प्रसंस्करण उद्योग और खनिज जैसे उद्योगों को भी जीवंत ईयू सामान्य बाजार में अपने निर्यात को विविधता देने में सक्षम करेगा। हालांकि,भारत ने ईयू वाहन के लिए बाजार पहुँच की अनुमति दी है, लेकिन इसे चरणबद्ध और सन्तुलित तरीके से टैरिफ कोटा के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह, यूरोपीय संघ की शराब पर भारत की छूट घरेलू उद्योग के हितों की रक्षा करने के साथ-साथ उच्च मूल्य वर्ग में प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहित करती है।

सेवाओं के व्यापार के लिए भारत-ईयू व्यापार संबंध में महत्वपूर्ण संभावनाएँ हैं। इस समझौते के तहत भारत ने 144 सेवा क्षेत्रों में ईयू की प्रतिबद्धताएँ प्राप्त की हैं, जो कि अभूतपूर्व है। इसके अलावा, गतिशीलता पर अध्याय यह सुनिश्चित करता है कि पेशेवरों और संविदा सेवा प्रदाताओं का अस्थायी प्रवेश और निवास सरल और भरोसेमंद होगा, जिसका अर्थ है कि भारत के प्रतिभाशाली सेवा पेशेवर ईयू बाजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कर सकते हैं। वित्तीय सेवाओं पर संलग्नक भारत और ईयू के बीच इलेक्ट्रॉनिक भुगतान प्रणालियों पर अधिक सहभागिता का प्रावधान करता है, जिसमें भारत की डिजिटल भुगतान प्रणालियों जैसे यूपीआई में तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग शामिल है। यह समझौता आयुष और पारंपरिक चिकित्सा कर्मियों को भी अधिक निश्चितता के साथ ईयू में अपनी सेवाएँ प्रदान करने की संभावना पेश करता है।

मुक्त और न्यायसंगत व्यापार को बढ़ावा देना- मुक्त व्यापार समझौता दो बड़े बाजारों के बीच मुक्त, न्यायसंगत और पारस्परिक रूप से लाभकारी संबंध को बढ़ावा देने का प्रयास करता है। व्यापार और सतत विकास अध्याय सतत विकास संबंधी चिंताओं के संदर्भ में सहयोग का एक नया मॉडल प्रस्तुत करता है। यह अध्याय दोनों पक्षों के श्रम या पर्यावरण मानकों में तालमेल बिठाये बिना दोनों पक्षों के व्यापार संबंध में सतत विकास के उद्देश्य को समग्र रूप से एकीकृत करता है। इस सहभागिता का मुख्य उद्देश्य नीति संवाद, तकनीकी सहायता और वित्तीय उपकरणों और संसाधनों को जुटाने पर है। दोनों पक्षों ने त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, गैर-उल्लंघन शिकायतें और स्वतंत्र परिशिष्ट जैसी व्यवस्थाओं पर भी बातचीत की है, जो कुछ नीति उपायों या उत्पाद-विशिष्ट उपायों के संबंध में उनकी विशिष्ट चिंताओं का समाधान कर सकते हैं।

असल चुनौती यह थी कि कुछ महत्वपूर्ण हितधारकों, जैसे कि डेयरी और कृषि क्षेत्र, की चिंताओं और संवेदनशीलताओं की अनदेखी किए बिना बाजार खोलने के उच्च महत्वाकांक्षा को हासिल किया जा सके। छोटे और सीमांत किसानों और कुछ उद्योग क्षेत्रों की आय और जीवनयापन की चिंताएं हमारे मन में सबसे पहले थीं। ईमानदारी से कहें तो, इस मामले में यूरोपीय संघ ने आवश्यक लचीलापन भी दिखाया।

भारत की एफटीए रणनीति का पूरक- आपूर्ति श्रृंखला व्यवधान के युग में, भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता; भारत-यूके एफटीए, ईएफटीए और अन्य व्यापक व्यापार समझौतों से हुए लाभ में पूरक की भूमिका निभाएगा। 2021 से, भारत ने 9 व्यापक व्यापार समझौते किए हैं और अगले कुछ महीनों में कई प्रमुख आर्थिक साझेदारी समझौतों को अंतिम रूप देने के लिए वार्ता कर रहा है। भारत-ईयू व्यापार समझौते का निष्कर्ष भारत की नई आर्थिक और व्यापारिक पहलों को तेज करने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य करेगा।

भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता विस्तारित बाजार पहुंच, नजदीकी आर्थिक एकीकरण और विशेष रूप से अनिश्चित और अस्थिर वैश्विक अर्थव्यवस्था में रणनीतिक स्वायत्तता और सुदृढ़ता प्राप्त करने में एक बड़ा कदम है। जैसा कि आर्थिक इतिहासकार उल्लेख करते हैं, आर्थिक समृद्धि सबसे अच्छे तरीके से तब प्राप्त की जा सकती है जब राष्ट्र न्यायपूर्ण, नियम-आधारित और पूर्व अनुमान योग्य कानूनी रूपरेखा और संस्थानों के आधार पर व्यापार करते हैं। भारत-ईयू मुक्त व्यापार समझौता समय पर खरे उतरे इस सिद्धांत को बनाए रखने का प्रयास करता है।

करदाताओं पर क्यों डालें 'मुफ्त' का बोझ ?

अविनाश खोंडकर
वरिष्ठ पत्रकार

वोट बटोरने वाली 'आर्थिक नीतियों' का बोझ उन लोगों पर नहीं डाला जाना चाहिए जो कर चुकाते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं और भारत के प्रति अपना योगदान देते हैं।

बजट आते-जाते रहना देश की एक वार्षिक आर्थिक परंपरा है, जिसका उद्देश्य विभिन्न वर्गों और राज्यों, बड़ी परियोजनाओं और योजनाओं के माध्यम से अर्थव्यवस्था को गति देना होता है। मगर हर बार बजट में 'मुफ्त' शब्द का दबदबा बढ़ता जा रहा है। यह सवाल बार-बार उठता है कि क्या यह आर्थिक नीतियां देश के दीर्घकालीन हित में हैं?

वर्तमान समय में देश की करीब 140 करोड़ की आबादी में से लगभग 30 प्रतिशत लोग ही प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आयकर देते हैं। शेष आबादी का बड़ा हिस्सा कर के दायरे से बाहर है। ऐसे में जब मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी, मुफ्त अनाज, मुफ्त यात्रा और नकद सहायता जैसी योजनाएं लाई जाती हैं, तो उनका आर्थिक भार अंततः करदाताओं पर ही पड़ता है।

कोई भी व्यक्ति किसी को किसी कारण से मदद करना गलत नहीं है। यहां तक कि गरीबों को सस्ता भोजन और मूलभूत सुविधाएं देना भी जरूरी है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सहायता स्थायी समाधान है? क्या इससे आत्मनिर्भरता बढ़ती है या फिर समाज को सहायता पर निर्भर बना दिया जाता है? सरकारें दावा करती हैं कि मुफ्त योजनाओं से गरीब और कमजोर वर्ग को राहत मिलती है, लेकिन यह भी सच है कि लंबे समय तक मुफ्त की आदत लोगों में कार्य के प्रति उदासीनता और उत्पादकता में कमी ला सकती है। उत्पादन कम होगा तो देश की आर्थिक गति भी धीमी पड़ेगी।

इतिहास गवाह है कि कई बार मुफ्त योजनाओं ने अल्पकालिक राजनीतिक लाभ तो दिया, लेकिन दीर्घकाल में राज्यों की आर्थिक स्थिति को कमजोर किया। कई राज्य आज भारी कर्ज में डूबे हुए हैं। हाल के आंकड़ों के अनुसार कुछ राज्यों में कर्ज का स्तर 7.2 प्रतिशत से भी अधिक हो चुका है।

आर्थिक सर्वेक्षण में भी यह बात सामने आई है कि सब्सिडी और मुफ्त योजनाओं का बोझ अंततः आम नागरिकों पर पड़ता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सहायता केवल जरूरतमंदों तक सीमित रहे और उसका दुरुपयोग न हो। मुफ्त योजनाओं की राजनीति केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक ताने-बाने को भी प्रभावित करती है। जब मेहनत और कर चुकाने वालों को यह महसूस होता है कि उनके पैसे से बिना श्रम के लाभ बांटे जा रहे हैं, तो उनमें असंतोष बढ़ता है।

इसलिए आवश्यक है कि सरकारें लोकलुभावन नीतियों की बजाय रोजगार सृजन, शिक्षा, स्वास्थ्य और कौशल विकास पर अधिक ध्यान दें। इससे लोग आत्मनिर्भर बनेंगे और देश की अर्थव्यवस्था भी मजबूत होगी।

वोट बटोरने वाली 'आर्थिक नीतियों' का बोझ उन लोगों पर नहीं डाला जाना चाहिए जो कर चुकाते हैं, कड़ी मेहनत करते हैं और भारत के प्रति अपना योगदान देते हैं।

देश का मूड बीजेपी अभी भी गुड

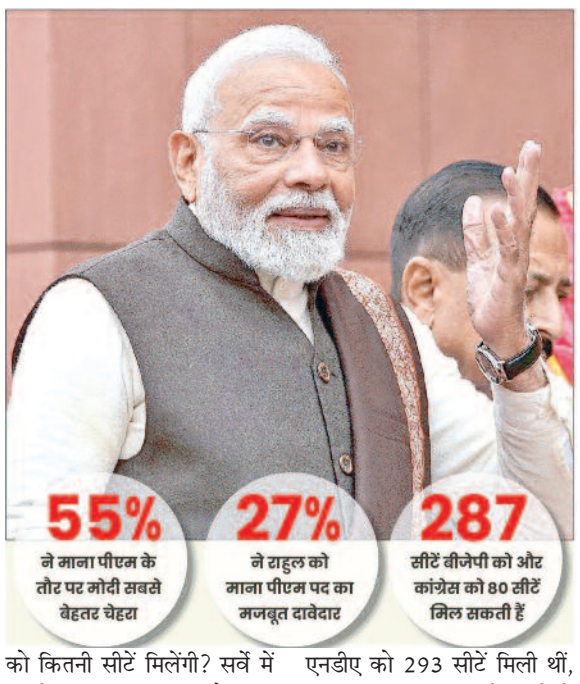

नई दिल्ली- देश में अगर आज लोकसभा चुनाव हो जाएं तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सीटें बढ़कर 352 हो सकती हैं। यही नहीं, बीजेपी की सीटें भी बढ़कर 287 हो सकती हैं। इस तरह बीजेपी अपने दम पर बहुमत हासिल कर सकती है। ये नतीजे इंडिया टुडे-सी वोटर के 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे में निकलकर आए हैं। अगर वोट प्रतिशत की बात करें तो मौजूदा समय में चुनाव होते हैं, तो एनडीए को 47 फीसदी का फायदा होता नजर आ रहा है। इंडिया ब्लॉक को 39 फीसदी तो अन्य को 14 फीसदी वोट मिलते नजर आ रहे हैं। ये सर्वे 8 दिसंबर 2025 से 21 जनवरी 2026 के बीच हुआ। हर आयु वर्ग जाति, धर्म, लिंग वाले 36 हजार 265 लोग इसमें शामिल हुए। हालांकि इन आंकड़ों में मोटे तौर पर पांच फीसदी का मार्जिन एरर हो सकता है।

'सर्वे में पूछा गया कि अगर आज लोकसभा चुनाव हुए तो परिणाम क्या होगा, किस गठबंधन को कितनी सीटें मिलेंगी? सर्वे में सामने आया कि एनडीए को 352 सीटें मिलने का अनुमान है, जबकि INDIA ब्लॉक को 182 सीटें मिल सकती हैं, जबकि अन्य के खाते में 9 सीटें जा सकती हैं। हालांकि 2024 में हुए लोकसभा चुनाव में एनडीए को 293 सीटें मिली थीं, जबकि INDIA ब्लॉक के खाते में 234 सीटें आई थीं। अगस्त 2025 में सर्वे किया गया था, जिसमें एनडीए को 324 सीटें और INDIA ब्लॉक को 208 सीटें मिलने का अनुमान था।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग ठाकुर पर लगे प्रतिबंध को किया समाप्त

भाजपा सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री ठाकुर अब संभाल सकते हैं बी.सी.सी.आई. में पदभार

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बी.सी.सी.आई.) में पद संभालने पर लगे प्रतिबंध को समाप्त करते हुए बड़ी राहत दी है। अनुराग अब बी.सी.सी.आई. के पदाधिकारी के तौर पर कार्यभार संभाल सकेंगे। वर्ष 2017 में लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों को लागू न करने की वजह से अनुराग को पद से हटाया गया था। लोढ़ा कमेटी के नियमों में आयु सीमा और सरकारी पद जैसे कई कड़े प्रावधान शामिल थे। माना जा रहा है कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला भारतीय क्रिकेट के प्रशासनिक ढांचे में एक बड़ा मोड़ ला सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग ठाकुर पर बी.सी.सी.आई. में पद संभालने से लगा प्रतिबंध हटाते हुए साल 2017 में पारित अपने आदेश में संशोधन कर दिया। अब अनुराग ठाकुर बीसीसीआइ से जुड़े कार्यों और बैठकों में शामिल हो सकेंगे। इस आदेश में अनुराग को बीसीसीआइ की आंतरिक गतिविधियों से अलग रहने का निर्देश था। अनुराग पर जब साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने प्रतिबंध लगाया था तब वो बीसीसीआइ के अध्यक्ष थे। तब के चीफ जस्टिस तीरथ सिंह ठाकुर की अगुआई वाली बेंच ने अनुराग ठाकुर को बी.सी.सी.आई. की गतिविधियों से दूर रहने का आदेश दिया था।

उत्तराखंड में हुआ अनूठा विवाह

वट (वर) और पीपल (वधू) वृक्ष का विवाह रचाकर पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

उत्तराखंड (सत्ता संदेश)- उत्तराखंड के अल्मोड़ा में जिला मुख्यालय से करीब सौ किमी दूर स्थित सैनोली गांव अनूठे विवाह का साक्षी बना। गत बुधवार को यहां प्रकृति प्रेम और सांस्कृतिक परंपराओं का अनूठा संगम दिखा। ग्रामीणों ने वट (वर) और पीपल (वधू) वृक्ष का विवाह रचाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। गांव के लोगों ने दूल्हा-दुल्हन के माता-पिता की भूमिका निभाई और विधिविधान से समस्त परंपराओं को पूरा किया। गांव के सामाजिक कार्यकर्ता कला बिष्ट ने वर्षों पूर्व वट और पीपल के वृक्ष का रोपण किया था। बुधवार को गांव में फिर उत्सव जैसा माहौल रहा और बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने वट-पीपल विवाह संस्कार में सहभागिता की। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुए वैवाहिक कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक झोड़ा चांचरी नृत्य किया और मांगलिक गीत गाए। ढोल-नगाड़ों की थाप पर बराती खूब झूमे भी । अंत में वर-वधू के दीर्घायु की कामना के साथ भोज का आयोजन किया गया। बहादुर सिंह व उनकी पत्नी चंपा देवी ने कन्या यानी पीपल के कन्यादान की रस्म निभाई। पान सिंह नेगी व उनकी पत्नी शांति देवी वट यानी दूल्हे के माता-पिता की भूमिका में रहे। ग्रामीणों ने दोनों वृक्षों की सुरक्षा और देखभाल का सामूहिक संकल्प लिया। क्षेत्रीय विधायक मोहन सिंह महरा ने कहा कि सदियों से प्रकृति के संरक्षण के लिए इस तरह के कई आयोजन होते रहते थे। ग्रामीणों का यह प्रयास सराहनीय है।

संसद में जारी गतिरोध के बीच कांग्रेस का सरकार पर कटाक्ष

कहा, सदन 'मन की बात' के लिए नहीं, सत्तापक्ष व विपक्ष दोनों की आवाज सुनने के लिए है

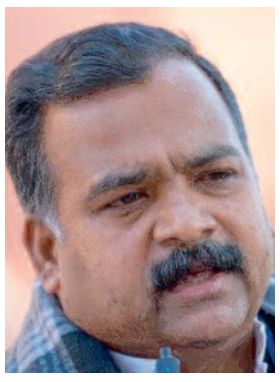

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)- कांग्रेस ने संसद में जारी गतिरोध के बीच गत बृहस्पतिवार को सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह 'मन की बात' वाली सोच से सदन चलाना चाहती है, लेकिन सदन 'मन की बात' के लिए नहीं, बल्कि सत्तापक्ष और विपक्ष दोनों की आवाज सुनने के लिए है। मुख्य विपक्षी दल ने इस बात पर भी जोर दिया कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और दूसरे विपक्षी नेताओं को भी बोलने का मौका मिलना चाहिए। लोकसभा में कांग्रेस के सचेतक और वर्तमान बजट सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित सांसद मणिकम टैगोर ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा, 'सदन में दो आवाजें हैं, एक आवाज सत्तापक्ष की और दूसरी विपक्ष की है। लेकिन विपक्ष की आवाज को दबाने का प्रयास हो रहा है। सरकार नहीं चाहती कि विपक्ष की आवाज को मौका मिले।' उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, ''यह सरकार की 'मन की बात' वाली सोच है। 'मन की बात' रेडियो पर हो सकती है, लेकिन संसद 'मन की बात' के लिए नहीं है। संसद में विपक्ष के नेता बोलते हैं और फिर प्रधानमंत्री जवाब दे सकते हैं। टैगोर ने कहा कि यह पहली बार है कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया गया और संभवत: प्रधानमंत्री भी नहीं बोलेंगे, जो लोकतंत्र के लिए दुखद है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि संसदीय लोकतंत्र में नेता प्रतिपक्ष तथा दूसरे नेताओं को भी सदन में बोलने का अधिकार है, लेकिन इस सरकार द्वारा उन्हें बोलने से वंचित किया जा रहा है। इसलिए हमारा एकमात्र एजेंडा है कि राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में विपक्षी नेताओं और नेता प्रतिपक्ष को बोलने का मौका मिलना चाहिए। उधर, विपक्षी दलों के नेताओं ने बैठक कर संसद के वर्तमान बजट सत्र में आगे की रणनीति पर चर्चा की और फैसला किया कि वे विपक्षी नेताओं को सदन में नहीं बोलने देने के विषय पर सरकार को घेरेंगे। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के संसद भवन स्थित कक्ष में हुई बैठक में कांग्रेस के अलावा समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और कई अन्य दलों के नेता शामिल हुए।

यू.पी.एस.सी .ने सिविल सेवा परीक्षा के नियमों में किया बदलाव

* सिविल सेवा परीक्षा में नहीं बैठ पाएंगे आई.ए.एस.
* परीक्षा केंद्रों पर उम्मीदवारों के लिए फेस आथेंटिकेशन अनिवार्य

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-संघ लोक सेवा आयोग ने सिविल सेवा परीक्षा, 2026 के लिए अधिसूचना जारी कर दी। इस बार अधिसूचना नियमों में बदलाव के कारण चर्चा में है। यू.पी.एस.सी. ने स्पष्ट किया है कि आई.ए.एस. या आई.एफ.एस. में कार्यरत कोई भी उम्मीदवार 2026 की परीक्षा में बैठने के लिए पात्र नहीं होगा। यदि कोई उम्मीदवार प्रारंभिक परीक्षा के बाद आई.ए.एस. या आई.एफ.एस. में नियुक्त होता है, तो वह प्रारंभिक परीक्षा उत्तीर्ण करने के बावजूद मुख्य परीक्षा में बैठने के लिए पात्र नहीं होगा। यदि मुख्य परीक्षा शुरू होने के बाद, लेकिन परिणाम घोषित होने से पहले नियुक्ति होती है, तो किसी भी सेवा के लिए उसके नाम पर विचार नहीं किया जाएगा। सिविल सेवा परीक्षा में आइपीएस या केंद्रीय सेवा समूह 'ए' में चयनित उम्मीदवारों के पास संबंधित अधिकारी से प्रशिक्षण में शामिल होने से एक बार की छूट प्राप्त करने पर अगले साल की परीक्षा में बैठने का विकल्प होगा। सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा 24 मई को होगी। यू.पी.एस.सी. ने आई.पी.एस. में पहले से चयनित उम्मीदवार सिविल सेवा परीक्षा, 2026 के माध्यम से उसी सेवा में पुन: प्रवेश का पात्र नहीं होगा। परीक्षा केंद्रों पर सभी उम्मीदवारों के लिए चेहरा प्रमाणीकरण अनिवार्य कर दिया है। कुछ सेवाओं में पहले से नियुक्त उम्मीदवारों के लिए पात्रता संबंधी सख्त प्रतिबंध लागू किए हैं। आयोग ने इस वर्ष की भर्ती प्रक्रिया के लिए 933 रिक्तियों की घोषणा की है। इनमें से 33 पद विशेष दिव्यांगता वाले अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं। यह प्रतिष्ठित परीक्षा यू.पी.एस.सी. द्वारा प्रतिवर्ष तीन चरणों में होती है- प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार। इसके माध्यम से भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा और भारतीय पुलिस सेवा आदि के अधिकारियों का चयन किया जाता है। सभी उम्मीदवारों को परीक्षा स्थल पर अनिवार्य रूप से चेहरे की पहचान करानी होगी।

अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बढ़ाया बी.एस.एफ. जवानों का हौंसला

केंद्रीय गृह मंत्री ने किया 6 कल्याणकारी योजनाओं का ऐलान

कठुआ (सत्ता संदेश)-केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू-कश्मीर के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत आज कठुआ से की। इस दौरान वे अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे अग्रिम इलाकों में पहुंचे। गृह मंत्री ने हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबियां सीमा चौकियों का दौरा किया और वहां तैनात सीमा सुरक्षा बल (बी.एस.एफ.) के जवानों से बातचीत की। कठुआ के बोबियां इलाके में अमित शाह ने सीमा सुरक्षा बल के जवानों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का डिजिटल माध्यम से उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन योजनाओं का उद्देश्य जवानों और उनके परिवारों के जीवन को बेहतर बनाना है। गृह मंत्री के लगातार सीमा चौकियों के दौरों को जवानों के बीच काफी सकारात्मक रूप में देखा जा रहा है। वे न केवल सुरक्षा हालात की गहन समीक्षा करते हैं, बल्कि जवानों से सीधे संवाद कर उनका मनोबल भी बढ़ाते हैं। अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि वे जवानों से मिलकर हमेशा प्रेरणा लेकर जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश की सुरक्षा में लगे हर जवान के साथ सरकार मजबूती से खड़ी है और उनके कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

यूपीआई भुगतान पर शुल्क की मांग को वित्त मंत्रालय ने किया खारिज

* सरकार ने बजट में की यूपीआई और रूपे डेबिट कार्ड लेन-देन के लिए 2,000 करोड़ की सब्सिडी की व्यवस्था

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-पिछले एक वर्ष से यूपीआई भुगतान में लागत का मुद्दा उठाकर देश के बैंक और भुगतान की सुविधा देने वाली कंपनियां (पेटीएम, फोनपे आदि) की तरफ से यूपीआई के जरिये होने वाले भुगतान पर शुल्क लगाने की मांग को वित्त मंत्रालय ने एक तरह से सिरे से खारिज कर दिया है। सरकार की मंशा साफ है कि आम उपयोगकर्ताओं और छोटे व्यापारियों के लिए अभी भी यूपीआई मुफ्त ही रहेगा। इस मंशा से ही आम बजट 2026-27 में यूपीआई और रूपे डेबिट कार्ड लेनदेन के लिए 2,000 करोड़ रुपये की सब्सिडी की व्यवस्था की है ताकि मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एम.डी.आर.) माडल जारी रहे। एम.डी.आर. के तहत सरकार डिजिटल भगतान को लेकर बैंकों के वित्तीय बोझ के बड़े हिस्से की भरपाई करती है। पिछले बजट में इस मद में 437 करोड़ रुपये का प्रविधान किया गया था, लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 2,196 करोड़ रुपये कर दिया गया है। साथ ही सरकार ने यूपीआई के जरिये होने वाले बड़ी राशि के भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगाने के प्रस्ताव को भी फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया है। वैसे सरकार के इस रुख से डिजिटल भुगतान को सफल बनाने में असली भूमिका निभा रहे बैंकों और पेमेंट गेटवे की भूमिका निभाने वाली फिनटेक कंपनियों में निराशा है। यूपीआइ अभी रोजाना 30 करोड़ से अधिक ट्रांजेक्शन प्रोसेस कर रहा है और यह राशि स्केलिंग, फ्राड रोकथाम तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर विस्तार के लिए अपर्याप्त मानी जा रही है। बैंकों व फिनटेक कंपनियों का कहना है कि उन्हें हर एक डिजिटल भुगतान पर औसतन दो रुपये की लागत आती है और मौजूदा व्यवस्था में इसकी भरपाई नहीं हो रही। दूसरी तरफ, डिजिटल भुगतान के लिए जरूरी इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार करने, बढ़ती धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए, नए फीचर्स जोडने में और दूरदराज के क्षेत्रों में इस सुविधा का विस्तार देने में उनकी लागत बढ़ती जा रही है।

जनवरी 2026 में यूपीआई ने रिकार्ड 2,170 करोड़ लेन-देन दर्ज किए

जनवरी में यूपीआई से रिकार्ड 2,170 करोड़ लेन-देन हुए भारत में यूपीआई की लोकप्रियता और ट्रांजेक्शन की रफ्तार रिकार्ड स्तर पर पहुंच गई है। जनवरी 2026 में यूपीआई ने रिकार्ड 2,170 करोड़ लेन-देन दर्ज किए, जिनका कुल मूल्य 28.33 लाख करोड़ रुपये रहा। यह दिसंबर 2025 के 2163 करोड़ ट्रांजेक्शन और 27.97 लाख करोड़ रुपये मूल्य से थोड़ा अधिक है। इस तरह से औसतन 70 करोड़ वित्तीय लेन-देन (91,403 करोड़ रुपये) रोजाना हो रहे हैं।

बड़े व्यापारियों को शुल्क के दायरे में लाने की थी मांग

संबंधित कंपनियों के संगठन पेमेंट्स काउंसिल आफ इंडिया की तरफ से बड़े व्यापारियों (टर्नओवर 10 करोड़ से अधिक) पर एक शुल्क लगाने की मांग की जा रही थी। इस बारे में इनकी आरबीआइ की तरफ से गठित समिति के समक्ष प्रस्तुतीकरण भी दिया गया था। डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले बड़े व्यापारियों से 0.2- 0.3 प्रतिशत की दर से अतिरिक्त शुल्क लगाने की मांग की गई थी। इन्होंने यह भी कहा था कि छोटे भुगतान और व्यक्तिगत तौर पर होने वाले लेन-देन पर शुल्क मुक्त बनाए रखने की बात कही थी। मौजूदा व्यवस्था को ज्यादा दिनों तक चलाने में असमर्थता की बात भी कही गई थी। हालांकि सरकार ने यूजर पर कोई शुल्क नहीं. लगाने का स्पष्ट संकेत दे दिया है। वित्त मंत्रालय और आरबीआइ के अधिकारियों का कहना है यूपीआई शुल्क बढ़ाने को लेकर अगर जरूरी होगा तो कुछ महीने बाद फिर से विमर्श किया जाएगा।

पंजाब से जम्मू-कश्मीर में गौवंश की तस्करी का दूसरा प्रयास विफल

पुलिस ने ट्रक की गहन जांच कर 18 बेजुवान गौवंश बरामद किये

कठुआ (सत्ता संदेश)-पुलिस की सख्ती के बावजूद पंजाब से जम्मू-कश्मीर में गौवंश की तस्करी करने से तस्कर बाज नहीं आ रहे हैं। पुलिस द्वारा पकड़े जाने के बाद आए दिन नए-नए हथकंडे अपनाकर तस्करी को अंजाम देने का प्रयास करने में लगे हैं। 3 दिन के बाद वीरवार सुबह तड़के थाना प्रभारी तारिक अहमद के नेतृत्व में पुलिस टीम ने नाके के दौरान पंजाब से जम्मू-कश्मीर में आ रहे एक केले से लदे ट्रक को चैकिंग के लिए रोका, तो बाहर से उसमें केला लदा दिख रहा था, लेकिन जब पुलिस ने ट्रक की गहन जांच की तो उसमें 18 बेजुवान गौवंश बरामद हुए, जिन्हें काफी बेरहमी से लादा पाया गया। उसी समय पुलिस जवानों ने थाना प्रभारी लखनपुर तारिक अहमद के निर्देश पर गौवंश को मुक्त करने के निर्देश दिए और ट्रक चालक व उसके अन्य सहयोगी को भी गिरफ्तार कर लिया। ट्रक को जब्त कर पशु तस्करी का मामला दर्ज किया गया। उल्लेखनीय है कि गत 3 फरवरी को भी लखनपुर में पंजाब से जम्मू-कश्मीर में तस्करी करके लाए जा रहे एक ट्रक में 18 गौवंश पुलिस ने तस्करों से मुक्त कराए थे। जिसके चलते पुलिस ने 3 दिन में 36 गौवंश तस्करों से मुक्त कराए हैं, जिन्हें पंजाब से तस्करी कर जम्मू कश्मीर में लाने का प्रयास किया जा रहा था। उधर नैशनल हाइवे पर ही गत वीरवार को एक और गौवंश तस्करी के प्रयास को विफल कर राजबाग पुलिस द्वारा 15 गौवंश मुक्त कराए गए। उक्त कार्रवाई थाना प्रभारी सुशील शर्मा के नेतृत्व में की गई।

जम्मू-कश्मीर पर्यटन कारोबारियों को करनी पड़ेगी नए नियमों की पालना

जम्मू-कश्मीर डेस्क (सत्ता संदेश)-जम्मू-कश्मीर सरकार ने पर्यटन क्षेत्र को सुरक्षित, व्यवस्थित और भरोसेमंद बनाने के लिए बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने नया अनिवार्य पंजीकरण नियम लागू किया है, जिसके तहत अब होटल, गेस्ट हाउस, ट्रैवल एजेंसियां, टूर ऑपरेटर और एडवेंचर टूरिज्म से जुड़े सभी कारोबारियों को पर्यटन विभाग में पंजीकरण कराना जरूरी होगा। सरकार ने साफ किया है कि बिना पंजीकरण और वैध अनुमति के कोई भी पर्यटन इकाई पर्यटकों को सेवाएं नहीं दे सकेगी। पंजीकरण के लिए फायर एंड इमरजेंसी सर्विसेज, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और स्थानीय प्रशासन से एनओसी (नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट) लेना अनिवार्य किया गया है। पर्यटन विभाग के अनुसार, पुराने नियमों के तहत मिली छूट अब मान्य नहीं होगी। चाहे कारोबारी पुराने हों या नए, सभी को तय समय सीमा के भीतर नई प्रक्रिया के अनुसार पंजीकरण कराना होगा। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माना, सख्त कार्रवाई और प्रतिष्ठान सील करने तक का प्रावधान रखा गया है। पंजीकरण प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए पर्यटन विभाग ने ऑनलाइन पोर्टल शुरू किया है, जिससे आवेदन में पारदर्शिता बनी रहेगी और समय की बचत होगी। सरकार का कहना है कि इस फैसले से पर्यटन क्षेत्र में सुरक्षा, गुणवत्ता और विश्वास बढ़ेगा। साथ ही पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

रेलवे के टिकट क्लर्क ने लाखों रुपए गोलमाल करके कर डाला अजब-गजब कारनामा

* टिकट चैकिंग के दौरान यात्रियों से वसूले 17 लाख रुपए अपनी जेब में भर लिए
* जी.आर.पी. ने हिसार जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू की

हिसार (सत्ता संदेश)-हिसार में रेलवे के एक टिकट क्लर्क ने लाखों रुपए के गोलमाल का अजब-गजब कारनामा किया है। इस टिकट क्लर्क ने रेलयात्रा के दौरान आने वाले जुर्माने और यात्रा किराए के 17 लाख रुपए अपनी जेब में भर लिए। रेलवे की ओर से किए गए ऑडिट में अब यह गोलमाल सामने आया है। जानकारी अनुसार रेलवे टिकट क्लर्क हरिकिशन रोस्टर में टिकट चैकिंग के कार्य पर तैनात था। आडिट जांच में सामने आया कि 1 जून 2025 से 31 जनवरी 2026 के बीच उसने यात्रियों से जुर्माने और किराए के रूप में कुल 17 लाख 610 की राशि एकत्रित की गई।

नियम के अनुसार यह पैसा रेलवे के खाते में जमा होना था, लेकिन आरोपी ने 61 ईएफटी रिटर्न की यह भारी-भरकम राशि न तो सी.टी.आई. कार्यालय हिसार में जमा कराई और न ही यातायात लेखा कार्यालय, जोधपुर भेजी गई। बताया जा रहा है कि उसने इस सरकारी धन का व्यक्तिगत लाभ के लिए दुरुपयोग किया। इस

वित्तीय अनियमितता का खुलासा तब हुआ जब संबंधित शाखा के सीनियर अधिकारी द्वारा ईएफटी रिटर्न के संबंध में डेबिट मेमो जारी किए गए। सी.टी.आई. हिसार की रिपोर्ट और आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान पाया गया कि रिकॉर्ड में दर्ज राशि और वास्तविक जमा राशि में बड़ा अंतर है। जब आरोपी द्वारा बार-बार राशि जमा नहीं कराई गई, तो विभाग ने इसे आपराधिक गबन मानते हुए पुलिस को लिखित शिकायत दी, जिसके बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा के तहत केस दर्ज किया गया। इस बड़े गड़बड़झाले में रेलवे जी.आर.पी .पुलिस ने हिसार जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक प्रेम चंद की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इस मामले की जांच भिवानी जी.आर.पी. चौकी इंचार्ज ए.एस.आई. सुरेंद्र कुमार को सौंपी गई है।

अधिकारियों के भी बयान होंगे दर्ज

स्टेशन अधीक्षक प्रेम चंद और ऑडिट करने वाले अधिकारियों के बयान दर्ज किए जाएंगे ताक़ि गबन की पुष्टि हो सके। चूंकि एफआईआर में आरोपी हरिकिशन को नाम दर्ज है, पुलिस उसे पूछताछ के लिए हिरासत में ले सकती है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश करेगी कि गबन की गई 17 लाख 610 रुपए की राशि कहां है और क्या इसे रिकवर किया जा सकता है।

पहली बार सामने आया ऐसा मामला

रेल अधिकारियों के अनुसार हिसार रेलवे स्टेशन पर एक वरिष्ठ रेलवे कर्मचारी द्वारा लाखों रुपए के सरकारी राजस्व के गबन का यह पहला बड़ा मामला है। राजकीय रेलवे पुलिस ने सीनियर सी.सी.टी.सी. के पद पर कार्यरत बिहार के मधेपुरा निवासी क्लर्क हरिकिशन के खिलाफ धोखाधड़ी और विश्वासघात की गंभीर धाराओं के तहत मुकद्दमा दर्ज किया है।

राहुल गांधी के चीन बॉर्डर के बयान पर खेल मंत्री का पलटवार

कहा, मोदी सरकार के नेतृत्व में देश की सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित

रोहतक (सत्ता संदेश)-संसद में राहुल गांधी द्वारा चीन बॉर्डर को लेकर की गई टिप्पणी पर कटाक्ष करते हुए हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा है कि कांग्रेस अनरगल बयान बाजी करती है। ना उनके पास नीति है और ना ही नेतृत्व। सबको पता है कि भारत की सीमाएं कितनी सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता जानती है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत कितना मजबूत हुआ है। देश की सीमाएं पूरी तरह से सुरक्षित हैं। अब पहले वाला भारत नहीं है जब कोई आतंकवादी घटना होती थी तो उसे दौरान की सरकार सफेद झंडा फहराकर बातचीत का प्रस्ताव रखती थी। लेकिन आज आतंकवादी घटना होने के बाद उस देश के घर में घुसकर जवाब दिया जाता है। साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ने जो टैरिफ घटाया है वह भारत की कूटनीति के दबाव का हिस्सा है। साथ ही उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार का जो बजट पेश होना है उसमें उन्हें पूरी उम्मीद है कि खेल के लिए बजट में बेहतर प्रावधान किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों की तुलना में मौजूदा भाजपा सरकार ने ज्यादा बजट खेल विभाग को दिया है। जहां तक 2036 ओलंपिक की बात है तो विजयी ओलंपिक के नाम से 20 करोड़ रुपए का प्रावधान मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कर दिया है।

दिल्ली में सजेगी कठपुतलियों की विश्व स्तरीय महफिल, 'इशारा' फैस्टीवल में 6 देशों का होगा संगम

अंतरराष्ट्रीय कठपुतली शो-रेड राइडिंग हुड, डोमेनिका की शाही शादी और अमृता की दास्तां का होगा मंचन

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 'इशारा' अंतरराष्ट्रीय कठपुतली थिएटर फेस्टिवल में इस साल इटली, कोरिया, भूटान, तुर्किये, अल्बानिया और भारत सहित छह देशों के अग्रणी कठपुतली कलाकार विविध वैश्विक कठपुतली परंपराओं का प्रदर्शन करेंगे। इस बार लिटिल रेड राइडिंग हुड, डोमेनिका की शाही शादी और अमृता की दास्तां आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगे। इसी दौरान भारतीय डाक विभाग 13 फरवरी को 'भारत की कठपुतलियां' विषय पर एक विशेष स्मारक डाक टिकट जारी करेगा। बाइसवां अंतरराष्ट्रीय कठपुतली उत्सव 13 फरवरी से 22 फरवरी, 2026 तक इंडिया हैबिटेट सेंटर में आयोजित किया जाएगा। इशारा पपेट थिएटर ट्रस्ट के फैस्टीवल डायरैक्टर और संस्थापक दादी डी. पदमजी ने यहां जारी एक बयान में कहा कि यह एक ही मंच पर 22 वर्षों से कठपुतलियों, संगीत और जुनून का उत्सव है। दुनिया के अलग-अलग कोनों की विविध संस्कृतियों के बीच एक जादुई रिश्ता कायम करते हुए डोरियों, हाथों, परछाइयों और कल्पनाओं के सहारे एक अद्भुत दुनिया रची जाएगी। उन्होंने बताया

कि उत्सव के दौरान डाक विभाग भारत की कठपुतलियों पर विशेष स्मारक डाक टिकटों की एक श्रृंखला का अनावरण भी करेगा। यहां जारी एक बयान के अनुसार प्राचीन परंपराओं में रची-बसी और समकालीन रचनात्मकता से आकार लेती इस श्रृंखला में इस वर्ष इटली, कोरिया, भूटान, तुर्किये और अल्बानिया के साथ-साथ भारत के अपने प्रतिष्ठित कठपुतली उस्तादों की प्रस्तुतियों का मंचन होगा, जिन्हें विभिन्न आयु वर्गों को ध्यान में रखकर सावधानीपूर्वक तैयार किया गया है। तेरह फरवरी को कोरिया से 'डूंग डूंग अलर्ट', शो प्रस्तुत किया जाएगा जिसमें बाल्यावस्था की चिंता जैसे विषयों पर केंद्रित प्रस्तुति होगी और इसका निर्देशन ह्वांग सियोकयोंग करेंगे। इसके बाद 14 फरवरी को इटली से 'वैरिएशंस' का शो होगा जिसमें मंच पर जन्मी डोरी कठपुतली 'प्रोटो', जिज्ञासा और आनंद के साथ दुनिया को खोजती है। इसी क्रम में 15 फरवरी को अल्बानियाई शादी की थीम पर 'रेड राइडिंग हुड मीट्स प्रिंसेस डोनिका' का प्रदर्शन होगा। इसमें एक जीवंत संगीतमय प्रस्तुति में रेड राइडिंग हुड की कथा को प्रिंसेस डोनिका की ऐतिहासिक शाही शादी की कहानी के साथ पिरोया गया है। लोकप्रिय तिराना पपेट थिएटर की इस प्रस्तुति का निर्देशन पाओलो कोमेंताले कर रहे हैं। 16 फरवरी को एक सच्ची घटना से प्रेरित 'एम आई लॉस्ट?' शीर्षक से संवेदनशील प्रस्तुति 'सफर' नामक एक बालक की यात्रा को दर्शाएगी जो शहर में संघर्ष और उम्मीद के बीच अपना रास्ता तलाशता है। इसका निर्देशन मोहम्मद शमीम और वी. आरती ने किया है। उक्त फैस्टीवल 22 फरवरी को 'अमृता शेरगिल-अ लाइफ लिव्ड' के साथ समाप्त होगा। भारत की सबसे दूरदर्शी कलाकारों में से एक को समर्पित यह भावपूर्ण श्रद्धांजलि कठपुतली, संगीत और कहानी कहने की कला के माध्यम से इशारा पपेट थिएटर द्वारा जीवंत की जाएगी। इस अद्वितीय प्रस्तुति का रूपांकन और निर्देशन दादी डी. पदमजी ने किया है।

एटा में वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत

बुलंदशहर (उप्र)- बुलंदशहर जिले के अहमदगढ़ थानाक्षेत्र में एक वाहन की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार डिबाई थानाक्षेत्र के आयुष (23) और सूरज (25) शुक्रवार को नोएडा से डिबाई लौट रहे थे, तभी रास्ते में रात करीब 10 बजे अहमदगढ़ थानाक्षेत्र में फतेहगढ़ गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। पुलिस के मुताबिक इस हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया और वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया । आयुष के चाचा राजकुमार ने बताया आयुष और उसका साथी सूरज नोएडा में नौकरी करते थे और दोनों डिबाई आ रहे थे तथा फतेहगढ़ के पास एक अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी। अहमदगढ़ के थाना प्रभारी निरीक्षक प्रेमचंद शर्मा ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि मोटरसाइकिल को टक्कर मारने वाले वाहन चालक की तलाश की जा रही है।

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में पांच शावकों का जन्म, भारत में चीतों की संख्या 35 हुई

शिवपुरी/श्योपुर (मप्र)- मध्यप्रदेश के कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता 'आशा' ने पांच शावकों को जन्म दिया है जिसके साथ ही देश में इस वन्यजीव की कुल संख्या बढ़कर 35 हो गई है। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शनिवार को यह जानकारी दी।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कूनो में गर्व का क्षण है। मादा चीता आशा द्वारा पांच स्वस्थ शावकों को जन्म देने से भारत में चीता संरक्षण अभियान को मजबूती मिली है। इसके साथ ही भारत में जन्मे शावकों की संख्या 24 हो गई है और कुल चीता आबादी 35 पर पहुंच गई है।' उन्होंने कहा कि नामीबिया से लाई गई मादा चीता आशा से शावकों का जन्म होना परियोजना की सफलता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

यह परियोजना दशकों पहले भारत में विलुप्त हो चुके दुनिया के सबसे तेज रफ्तार प्राणी चीते के पुनर्वास के उद्देश्य से शुरू की गई है।

मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए वन विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों और पशु चिकित्सकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता वनकर्मियों और विशेषज्ञों के सतत परिश्रम का परिणाम है।

यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

फरीदाबाद में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया

फरीदाबाद (सत्ता संदेश)- फरीदाबाद में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां पत्नी की हत्या के आरोप में पति ने करीब छह साल जेल की सजा काट ली, लेकिन बाद में पत्नी जिंदा मिल गई।

पत्नी की हत्या के आरोप में पति ने काटी सजा, पत्नी अभी जिंदा

इसके बाद कोर्ट ने आरोपी पति को हत्या के प्रयास का दोषी मानते हुए छह साल की सजा सुनाई। चूंकि आरोपी पहले ही छह साल से अधिक समय जेल में बिता चुका था, इसलिए एडिशनल सेशन जज ज्योति लांबा की कोर्ट ने सजा को अंडरगोन मानते हुए 13 हजार रुपए का जुर्माना लगाकर उसे रिहा करने के आदेश दिए। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली निवासी मलखान ने सराय ख्वाजा थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने अपनी बेटी सुधा की शादी वर्ष 2005 में गांव जनौली किशनपुर (हाथरस, यूपी) निवासी मुकेश उर्फ मनोज से की थी। दंपती के छह बच्चे हैं। शादी के कुछ समय बाद दोनों फरीदाबाद आकर रहने लगे और दिहाड़ी मजदूरी करने लगे। 13 दिसंबर 2019 को सुधा और मुकेश रोज की तरह काम पर निकले थे। शाम को मुकेश अकेला घर लौट आया। बच्चों के पूछने पर उसने बताया कि सुधा मायके गई है। अगले दिन जब बच्चों ने मामा के यहां फोन किया तो पता चला कि सुधा वहां नहीं पहुंची थी। इसके बाद पिता मलखान ने सराय ख्वाजा थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने जांच के दौरान सुधा के पति मुकेश को गिरफ्तार किया। पूछताछ में मुकेश ने कबूल किया कि उसे सुधा के चरित्र पर शक था। उसने 13 दिसंबर 2019 को काम के बहाने उसे साथ ले जाकर गुरुग्राम नहर के किनारे उस्तरे से उसका गला रेत दिया और चुन्नी से गला घोंट दिया। सुधा को मरा समझकर वह मौके से फरार हो गया। मुकेश की निशानदेही पर पुलिस ने उस्तरा और खून से सना गमछा बरामद किया, लेकिन सुधा का शव नहीं मिला। नहर में भी तलाश की गई, मगर कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस ने हत्या के आरोप में मुकेश को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया।

मेरठ: नाबालिग से दुष्कर्म के दोषी को 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा

मेरठ (उप्र) (सत्ता संदेश)- मेरठ जिले की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने नाबालिग लड़की से दुष्कर्म के मामले में आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई है।

अभियोजन पक्ष ने शनिववार को बताया कि वर्ष 2024 में लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया था कि उसके पड़ोस में रहने वाले जाहिद उर्फ गुल्लू ने उसकी करीब 10 वर्षीय बेटी के साथ दुष्कर्म किया और घटना की शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी दी। इस संबंध में पुलिस ने आठ जनवरी 2024 को यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) और भारतीय दंड संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक विवेचना के दौरान संकलित साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 377 (अप्राकृतिक यौन संबंध) जोड़ी।

महाराष्ट्र दूसरीलीड जिला परिषद चुनाव

महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनाव में 67 प्रतिशत मतदान

मुंबई, (सत्ता संदेश)- महाराष्ट्र में 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनाव के लिए शनिवार को लगभग 67 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया।

यह मतदान मूल रूप से पांच फरवरी को होना था, लेकिन 28 जनवरी को उपमुख्यमंत्री अजित पवार की विमान दुर्घटना में मृत्यु और इसके बाद तीन दिन के राजकीय शोक की घोषणा के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था।

एक अधिकारी ने बताया कि शाम साढ़े पांच बजे तक 67 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि सटीक मतदान प्रतिशत की घोषणा रविवार को की जाएगी।

मतगणना नौ फरवरी को होगी, जिसके बाद आदर्श आचार संहिता हटा ली जाएगी।

रायगढ़, रत्नागिरी, सिंधुदुर्ग, पुणे, सातारा, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर, छत्रपति संभाजीनगर, परभणी, धाराशिव और लातूर जिलों में मतदान हुआ। इस चुनाव में 731 जिला परिषद सीट के लिए कुल 2624 उम्मीदवार मैदान में हैं।

उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार, राकांपा (शरदचंद्र पवार) नेता जयंत पाटिल और रोहित पवार शुरुआती मतदाताओं में शामिल थे, जिन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

सुनेत्रा पवार ने अपने बड़े बेटे पार्थ पवार के साथ बारामती के काटेवाड़ी गांव के प्राथमिक विद्यालय में वोट डाला।

उन्होंने राज्य भर के नागरिकों से उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने की अपील की।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के दोनों धड़ों के संभावित एकीकरण की अटकलों के बीच इन चुनावों पर नजरें टिकी हुई हैं।

दोनों गुट पिछले दो साल की प्रतिद्वंद्विता को किनारे रखकर पुणे, सातारा, सोलापुर और सांगली में स्थानीय निकाय चुनाव एक अनौपचारिक गठबंधन के तहत लड़े। इन क्षेत्रों में दोनों पक्षों के उम्मीदवार मूल 'घड़ी' चुनाव चिह्न पर मैदान में उतरे।

दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में 24 वर्षीय महिला घर में मृत मिली

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-- दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में शनिवार सुबह 24 वर्षीय महिला अपने घर में मृत पाई गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस को शक है कि यह आत्महत्या का मामला है। पुलिस के अनुसार, घटना की सूचना शनिवार तड़के मिली, जिसके बाद पुलिस की एक टीम गौतम विहार स्थित घटनास्थल पर पहुंची, जहां वह अपने कमरे में मृत पाई गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, ''महिला को जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।' अधिकारी ने बताया कि मृत्यु के कारणों का पता लगाने और सबूत जुटाने के लिए एक फॉरेंसिक टीम बुलाई गई है।

सोनाक्षी स्टारर 'दहाड़' का दूसरा सीजन

प्राइम वीडियो की वेब सीरीज 'दहाड़' में सोनाक्षी सिन्हा पुलिस की वर्दी में नजर आई थीं। पहले सीजन में गुलशन देवैया और विजय वर्मा ने भी अपनी एक्टिंग से दर्शकों के दिलों पर गहरी छाप छोड़ी थी। पुलिस और क्राइम की कहानी पर बेस्ड इस सीरीज का दूसरा सीजन काफी समय से प्लान हो रहा था। अब खबरे हैं कि जोया अख्तर और रीमा कागती द्वारा निर्मित 'दहाड़' सीरीज अपने दूसरे सीजन के साथ वापसी कर रही है। इसकी टीम और कास्ट इसी महीने से राजस्थान में शूटिंग शुरू करेंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि मेकर्स लंबे समय से कहानी तय करने में लगे हुए थे, जो अब फाइनल हो चुकी है। इसके बाद प्री-प्रोडक्शन के कई महीनों के काम के बाद वे इसे बड़े पैमाने पर बनाने की तैयारी में हैं। इसका पहला सीजन मई 2023 में प्राइम वीडियो पर रिलीज हुआ था। इसमें सोनाक्षी ने सब इंस्पैक्टर अंजलि भाटी का किरदार निभाया था, जिसे राजस्थान के सार्वजनिक शौचालयों में रहस्यमयी मौतों की जांच का जिम्मा सौंपा गया था। इस दौरान उनकी इन्वेस्टिगेशन एक सीरियल किलर तक पहुंच जाती है।

सलमान खान का 'बिग बॉस 19'

20 मिलियन व्यूज़ संग बना 2025 का सबसे ज्यादा देखा गया रियलिटी शो

सलमान खान ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उनकी स्टार पावर क्यों बेजोड़ है और इंडियन एंटरटेनमेंट में उनका दबदबा आज भी कायम है। हाल ही में जारी हुई ऑर्मेक्स की 2025 की एनुअल लिस्ट के मुताबिक, सलमान खान का बिग बॉस सीजन 19 साल 2025 का सबसे ज्यादा देखा जाने वाला OTT रियलिटी शो बनकर सामने आया है, जिसे करीब 20 मिलियन व्यूअरशिप मिली। इस शो ने द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 3, शार्क टैंक इंडिया सीजन 4 और द ट्रेटर्स जैसे पॉपुलर शोज़ को भी पीछे छोड़ते हुए टॉप पोजिशन हासिल की है।

कोलेस्ट्रॉल वृद्धि -खामोश खतरा

आज की तेज रफ्तार और आराम पसंद जीवनशैली ने कई बीमारियों को जन्म दिया है। बढ़ा हुआ कोलेस्ट्रॉल भी ऐसा ही एक कारण बनता जा रहा है, जो बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर को नुकसान पहुंचाता है। यह दिल के दौरे और स्ट्रोक जैसी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकता है।

कोलेस्ट्रॉल एक मोम जैसा पदार्थ होता है, जो हमारे शरीर में भोजन और लिवर द्वारा बनता है। यह रक्त के माध्यम से कोशिकाओं तक पहुंचता है। इसकी संतुलित मात्रा शरीर के लिए आवश्यक है, लेकिन अधिक मात्रा हानिकारक सिद्ध होती है।

बढ़ा कोलेस्ट्रॉल क्यों है खतरनाक

कोलेस्ट्रॉल रक्त वाहिकाओं में जम सकता है, जिससे रक्त प्रवाह बाधित होता है। इससे हृदय रोग, उच्च रक्तचाप और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

कोलेस्ट्रॉल के प्रकार

एलडीएल(खराब कोलेस्ट्रॉल)

एलडीएल का स्तर अधिक होने पर यह धमनियों में जम जाता है।

130-159 mg/dl : सीमा पर

160 mg/dl से अधिक- खतरनाक

एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल)

यह शरीर से अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल हटाने में मदद करता है।

पुरुषों में 40 mg/dl से अधिक

ट्राइग्लिसराइड्स

अधिक होने पर दिल की बीमारी का खतरा बढ़ता है।

100-149 mg/dl सामान्य

190 mg/dl से अधिक अत्यधिक खतरनाक

बढ़े कोलेस्ट्रॉल से बचाव

तले-भुने और जंक फूड से परहेज करें

फल, सब्जियां और साबुत अनाज का सेवन करें

नियमित व्यायाम और योग करें

धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएं

समय-समय पर जांच कराएं

'दि इंडिया हाउस' का हिस्सा बनकर सई मांजरेकर गदगद

अभिनेत्री सई एम मांजरेकर अपनी आने वाली पैन-इंडिया पीरियड ड्रामा फिल्म 'दि इंडिया हाउस' का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। इस फिल्म का निर्माण पावरहाउस राम चरण अपनी पहली प्रोडक्शन के तौर पर कर रहे हैं। फिल्म को एक साथ हिंदी और तेलुगु भाषा में बनाया जा रहा है, जो सई के लिए 'मेजर' के बाद दूसरी ऐसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग दोनों भाषाओं में साथ-साथ हुई है। हिंदी और तेलुगु सिनेमा में पहले भी काम कर चुकीं सई का कहना है कि 'दि इंडिया हाउस' उनके करियर का एक स्वाभाविक, लेकिन बेहद समृद्ध करने वाला पड़ाव है। बड़े स्तर पर बनाई जा रही यह फिल्म एक मज़बूत पीरियड कहानी को दर्शाती है, जिसमें सई सती नाम के एक अहम किरदार में नजर आएंगी, जो कहानी में भावनात्मक गहराई जोड़ता है। सई मांजरेकर ने कहा कि दि इंडिया हाउस अब तक मेरे करियर के सबसे गहराई से जुड़े और संतोषजनक अनुभवों में से एक रही है। एक ही फिल्म को हिंदी और तेलुगु में साथ-साथ शूट करना रोमांचक होने के साथ-साथ चुनौतीपूर्ण भी होता है, क्योंकि कई बार एक ही दिन में भावनाओं, भाषा और सांस्कृतिक बारीकियों के बीच बार-बार बदलाव करना पड़ता है।

खतरनाक हो सकता है लंबे समय तक बैठना

लंबे समय तक बैठकर काम करना या लगातार बैठी जीवनशैली अपनाना शरीर के लिए उतना ही नुकसानदायक हो सकता है, जितना कि धूम्रपान करना। विशेषज्ञों के अनुसार, घंटों एक ही स्थिति में बैठने से कई गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है।

आजकल अधिकतर लोग दफ्तर, कंप्यूटर या मोबाइल के कारण लंबे समय तक बैठे रहते हैं। इससे शरीर की मांसपेशियां निष्क्रिय हो जाती हैं और रक्त संचार प्रभावित होता है।

लंबे समय तक बैठने से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और पीठ दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा मानसिक तनाव और अवसाद का खतरा भी बढ़ जाता है।

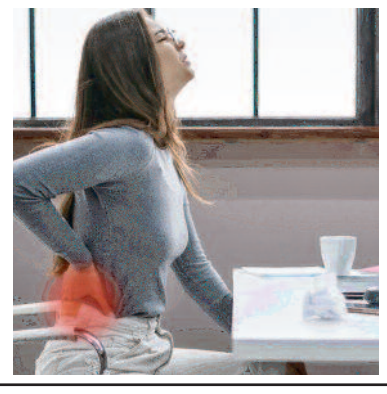

कैसे बचें

हर 30-40 मिनट में खड़े होकर थोड़ा चलें

हल्का व्यायाम और स्ट्रेचिंग करें

सही मुद्रा (पोश्चर) में बैठें

काम के बीच ब्रेक लें

नियमित योग और प्राणायाम करें

ईरान ने किया नए अंडरग्राऊंड मिसाइल बेस का अनावरण

तेहरान (सत्ता संदेश)-अमरीका और ईरान के बीच तनाव जारी है, जिसे सुलझाने के लिए बातचीत की कवायद तेज हो रही है। इस बीच ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्स (आई.आर.जी.सी.) ने एक नए अंडरग्राऊंड मिसाइल बेस का अनावरण किया है। ईरानी रक्षा बलों के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दोलरहीम मौसवी और आई.आर.जी.सी. के एयरोस्पेस डिवीजन के कमांडर सईद मजीद मौसवी दौरे पर पहुंचे थे। इस दौरे के दौरान ही मिसाइल बेस का अनावरण किया गया। दौरे के दौरान आई.आर.जी.सी. की मिसाइल इकाइयों की क्षमताओं और उनकी संचालन संबंधी तैयारियों का आकलन किया गया। इसके साथ ही ईरान की सुरक्षा बलों के वरिष्ठ कमांडरों को रणनीतिक इकाइयों की प्रगति और मौजूदा तैयारियों

के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। मौसवी ने बेस कहा कि ईरान ने अपनी बैलिस्टिकर मिसाइलों को सभी तकनीकी मामलों में अपग्रेड करके हमलों को रोकने की ताकत को मजबूत करने में कामयाबी हासिल की है। उन्होंने कहा कि देश दुश्मनों की किसी भी कार्रवाई का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है। 12 दिन की लड़ाई (जून 2025 में इसराइल के साथ) के बाद, ईरान ने अपनी सैन्य रणनीति में बड़ा बदलाव किया है। अब सैन्य डॉक्ट्रिन को रक्षात्मक से आक्रामक रुख में बदला गया है, जो तेज गति से और व्यापक स्तर पर अभियान चलाने पर केंद्रित है। इसके साथ ही असममित युद्ध पद्धतियों और निर्णायक, कुचल देने वाली सैन्य रणनीति को अपनाया गया है।

केरल में प्याज से लदे एक ट्रक से विस्फोटक जब्त

मलप्पुरम (केरल),(सत्ता संदेश)- केरल में मलप्पुरम के समीप चेम्माड में शनिवार को प्याज लदे एक ट्रक से जिलेटिन की 10,500 से अधिक छड़ें और डेटोनेटर जब्त किए गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि इस सिलसिले में पुलिस ने ट्रक की मालकिन को हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, ईंट के भट्ठे के पास खड़े इस ट्रक से लगभग 245 बक्से बरामद किए गए जिनमें जिलेटिन की 10,500 से अधिक छड़ें, डेटोनेटर और तार रखे थे।

पावरकॉम और सरकार द्वारा प्रीपेड मीटरिंग के साथ रिकवरी की तैयारी

अग्रिम भुगतान का कोई सोर्स न होने के चलते प्रीपेड बिजली लागू होना भी पक्का

तरनतारन (सत्ता संदेश)-पंजाब सरकार के कई विभागों पर सालों से करोड़ों के डिफॉल्टिंग अमाउंट (बकाया बिल) से निपटने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में 15 फरवरी से सरकारी विभागों में प्रीपेड मीटरिंग शुरू की जा रही है, लेकिन सरकारी विभागों के पास प्रीपेड बिजली खरीदना आसान नहीं होगा। सरकारी विभागों के बिल खजाने को भेज कर उनकी पेमेंट की जाती है। अब पहले इसके लिए कहां से पेमेंट आएगी, यह बड़ा सवाल है, जिस पर कोई सरकारी विभाग प्रमुख बोलने से गुरेज कर रहा है। सरकारी विभागों की वित्तीय हालत और अग्रिम भुगतान की दिक्कत को देखते हुए प्रीपेड मीटरिंग सिस्टम का सक्सेस रेट कम ही दिख रहा है। साथ ही पुराने बकायों की रिकवरी को लेकर बकायों की रिकवरी को लेकर सरकार और हाई लेवल कमेटी के बीच बातचीत चल रही है। पावरकॉम का 2600 करोड़ सरकारी विभागों पर बकाया है। ऐसे हालात में पावरकॉम का सरवाइव कर पाना मुश्किल है। सरकारी हलकों में बात हाई लेवल के पर हो रही है, जिसमें सरकार नुमाइंदे और पावरकॉम मैनेजमेंट रिकवरी का रोड मैप तैयार कर रहे हैं। वहीं, प्रीपेड सिस्टम लागू रहे हैं। वहीं, प्रीपेड सिस्टम लागू करने के लिए तकनीकी अड़चनों पर मंथन जारी है।

क्या कहा बसंत गर्ग, सी.एम.डी. पावरकॉम- बकाया रिकवरी के लिए सरकार से बात चल रही है और जल्द इसका हल निकल आएगा। कानून के अनुसार रिकवरी का प्रोसैस जल्द लागू किया जाएगा। कैसे होगा, इस बारे अभी कुछ बताना संभव नहीं।

पंजाब और केंद्र सरकार को पहले से नोटिस जारी

हाईकोर्ट ने पंजाब और केंद्र सरकार को विभाग की वित्तीय हालत को लेकर पहले नोटिस जारी कर रखा है। 16 मार्च को सरकारी विभागों की बिजली काटने के मामले पर भी सुनवाई होनी है, लेकिन उससे पहले ही प्रीपेड मीटरिंग लागू कर दी गई। अब रिकवरी को लेकर हाईकोर्ट क्या डायरैक्शन देगा यह देखने योग्य होगा। डायरैक्टर डिस्ट्रीब्यूशन इंद्रपाल सिंह ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि और कर्ज को रोकने के लिए प्रीपेड मीटरिंग लागू हो रही है और पिछला बकाया भी जल्द रिकवर हो सके। प्रीपेड सिस्टम लागू होने के बाद सरकारी विभागों को पहले भुगतान करने पर ही बिजली

आपूर्ति मिलेगी। इससे नए बकाए बनने पर रोक लगेगी, वहीं, वर्षों से जमा करोड़ों रुपये के बकाया की वसूली भी अनिवार्य तो है, लेकिन सालों से जमा करोड़ों का बकाया चुकाना दूसरे विभागों के लिए भी अब आसान नहीं होगा।

इस्लामाबाद में शिया मस्जिद में हुए आत्मघाती हमले के सिलसिले में तीन लोग गिरफ्तार

इस्लामाबाद/पेशावर (सत्ता संदेश)- पाकिस्तान की पुलिस ने शुक्रवार को इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद पर हुए आत्मघाती हमले के सिलसिले में खैबर पख्तूनख्वा के पेशावर में दो पुरुषों और एक महिला को गिरफ्तार किया है।

पाकिस्तान की राजधानी में शुक्रवार की नमाज के दौरान शिया समुदाय की मस्जिद में आत्मघाती हमलावर द्वारा खुद को विस्फोट में उड़ा लेने से कम से कम 31 लोग मारे गए और 169 लोग घायल हो गए। यह हमला हाल के वर्षों में शिया समुदाय को निशाना बनाकर किए गए सबसे भीषण आतंकी हमलों में से एक है।

भारत ने किया अग्नि-3 मिसाइल का सफल परीक्षण

मिसाइल की मारक क्षमता 3,000 किलोमीटर तक

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-भारत ने ओडिशा के चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल 'अग्नि-3' का सफल परीक्षण किया। मिसाइल की मारक क्षमता 3,000 किलोमीटर तक है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को सामरिक बल कमान (एसएफसी) के जवानों ने एक मोबाइल लॉन्चर से प्रक्षेपित किया। अधिकारियों ने बताया कि मिसाइल को 'निर्माण लॉट' से यादृच्छिक रूप से चयनित गया और उसका परीक्षण किया गया। रक्षा अनुसंधान और

विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) के सूत्रों ने बताया कि मिसाइल ने मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया और सभी परिचालन एवं तकनीकी मानदंडों को सही पाया गया। अधिकारियों ने बताया कि यह परीक्षण सामरिक बल कमान की देखरेख में किया गया। 'अग्नि-3' अपनी श्रेणी की सबसे आधुनिक और सटीक मारक मिसाइलों में से एक है और इसे पहले ही सेना में शामिल किया जा चुका है। यह 1.5 टन वजन को 3,000 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक ले जाने में सक्षम है।

पाकि-चीन तक लांच फायर की ताकत

परमाणु क्षमता से लैस अग्नि 3 मिसाइल पहले ही सेना में शामिल की जा चुकी है। इस मिसाइल मोबाइल लांचर से फायर की जा सकती है. मिसाइल की रेंज में पाकिस्तान तो आता ही है, इसके साथ ही चीन के भी कुछ शहर आते हैं। बताया जाता है कि पूरा पाकिस्तान इस मिसाइल की रडार में आ सकता है। जबकि मिसाइल से चीन के कुछ शहरों तक को निशाना बनाया जा सकता है। सफल परीक्षण को देखते हुए भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन समेत इस परीक्षण से जुड़े समस्त टीमों को बधाई का पात्र बताया है।

एक संत के राज्य में संतों का अपमान -अखिलेश यादव

प्रयागराज- हिंदू धर्म में शंकराचार्य का पद आदिगुरु शंकराचार्य द्वारा स्थापित चार प्रमुख पीठों, ज्योतिर्मठ, द्वारका, पुरी और शृंगेरी मठ के प्रमुखों का है जो अद्वैत वेदांत और सनातन धर्म के संरक्षक माने जाते हैं। यह पद पूरी तरह धार्मिक है लेकिन यह पद बार-बार राजनीतिक विवादों का केंद्र बनता रहा है। इनमें पीठ के उत्तराधिकार के झगड़े, धार्मिक बयानों का राजनीतिक उपयोग, सरकारी हस्तक्षेप और राजनीतिक दलों से जुड़ाव प्रमुख कारण रहे हैं। ये विवाद धार्मिक स्वायत्तता बनाम राजनीतिक प्रभाव का कारण बनते हैं। राजनेताओं ने संतों को सम्मान व समर्थन के बदले अपने वोट बैंक में बढ़ोतरी की चाह रखी है। यहां तक तो ठीक था, लेकिन गत 18-19 जनवरी 2026 को प्रयागराज के माघ मेला में मौनी अमावस्या पर शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए उनकी पालकी को जाने से रोका गया। पुलिस ने भीड़ और अनुमति का हवाला दिया जिससे शंकराचार्य के शिष्यों से पुलिस की झड़प हो गई। गुस्साए पुलिस कर्मियों ने शंकराचार्य के शिष्यों से घोर दुर्व्यवहार किया। विवाद बढ़ने पर मेला प्रशासन ने संतों से क्षमा याचना करने व दोषी पुलिस कर्मियों के विरुद्ध कार्रवाई करने की बजाय शंकराचार्य को 20 जनवरी को 24 घंटे का नोटिस जारी करके सुप्रीम कोर्ट के सन 2022 के आदेश का हवाला देकर पूछा कि वह शंकराचार्य शब्द शीर्षक कैसे इस्तेमाल कर रहे हैं

जबकि उनके उत्तराधिकार का मामला कोर्ट में है। इस नोटिस से नाराज होकर शंकराचार्य ने अनशन शुरू कर दिया और कहा कि न मुख्यमंत्री न राष्ट्रपति तय कर सकते हैं कि शंकराचार्य कौन है और कौन नहीं।

इसके बाद मामले को लेकर राजनीति शुरू है। इस मुद्दे पर उत्तर प्रदेश सरकार पर हमलावर कांग्रेस ने इसे भाजपा का धर्मद्रोह और साधुओं का अपमान करना बताया है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि स्वामी को निशाना बनाया गया क्योंकि उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा, केदारनाथ में 228 किलो सोने की चोरी और कोविड के समय में गंगा में तैरते शवों पर सवाल उठाए थे। दूसरी ओर भाजपा ने इसे प्रशासनिक मुद्दा कहकर पल्ला झाड़ने की कोशिश की। वहीं शंकराचार्य के समर्थकों ने इसे राजनीतिक साजिश बताया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी आरोप लगाया कि भाजपा की सरकार जानबूझकर शंकराचार्यों और संतों का अपमान तथा सनातन परंपराओं को तोड़ रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि शंकराचार्य संत समाज का गौरव हैं और अनगिनत श्रद्धालु आशीर्वाद लेने उनके पास जाते हैं जो सनातन धर्म की परंपराओं का हिस्सा है और भाजपा इन परंपराओं को तोड़ रही है। संतों और शंकराचार्यों का जानबूझ कर अपमान किया जा रहा है। भाजपा सरकार ने अपने अधिकारियों के जरिए शंकराचार्य के साथ दुर्व्यवहार किया है। हालांकि उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद महाराज से उनके अपमान को लेकर माफी मांगते हुए उनसे ससम्मान गंगा स्नान करने व विवाद समाप्त करने की अपील की थी लेकिन संत होते हुए भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उक्त मुद्दे पर चुप्पी को लेकर आमजन में आक्रोश व्याप्त है। इस मुद्दे पर योगी सरकार से नाराज भाजपा के कुछ लोगों ने पार्टी छोड़ने का भी ऐलान किया है।

2.76 करोड़ की लागत वाला प्रोजैक्ट अभी तक दर्शकों में अपना कोई विशेष स्थान नहीं बना सका

महाराजा रणजीत सिंह समर पैलेस में 'वारियर ऑफ पंजाब' लेजर शो गिनती के दर्शक पहुंच रहे हैं

अमृतसर (सत्ता संदेश)-पंजाब व विशेष रूप से अमृतसर में शेर-ए-पंजाब महाराजा रणजीत सिंह के साथ संबंधित ऐतिहासिक व विरासती स्मारकों में प्रचार हेतु सरकार के पर्यटन व सांस्कृतिक मामले विभाग द्वारा विशेष प्रयास न किए जाने के कारण 2.76 करोड़ रुपयों की लागत से तैयार किया 'वारियर ऑफ पंजाब' (पंजाब के योद्धे) लाइट एंड साऊंड लेजर शो दो वर्ष से ज्यादा का समय बीतने के बाद भी दर्शकों में अपनी कोई विशेष स्थान नहीं बना सका है, जिसके चलते अमृतसर के महाराजा रणजीत सिंह समर पैलेस में रोजाना सायं 6.45 बजे बिल्कुल निःशुल्क दिखाए जाने वाले इस शो में सिर्फ गिनती के ही लोग पहुंच रहे हैं और कई दिनों में तो गिनती के लोग भी नहीं पहुंचते। इसका मुख्य कारण कम्प्यूटर शो बारे सरकारी स्तर पर प्रचार भी कमी बताया जा रहा है। विरासत प्रेमियों ने इसको लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा है कि स्थानीय राम बाग (कम्पनी बाग के रूप में मशहुर) में महाराजा रणजीत सिंह समर पैलेस के चारों ओर बड़े-छोटे कई सरकारी प्रचार वाले होर्डिंग व फ्लैक्स लगाई गई हैं जबकि इनमें से एक भी विज्ञापन पोस्टर ऐसा नहीं है जिस पर लेजर शो चलने बारे या इसको दिखाए जाने वाले समय बारे कोई जानकारी दी गई हो। उल्लेखनीय है कि महाराजा रणजीत सिंह समर पैलेस की बाहरी विशाल दीवारों पर लेजर रौशनी, एनीमेशन व प्रोजैक्शन मैपिंग तकनीक से पंजाबी व अंग्रेजी भाषा में 20-20 के तैयार किए गए इस 'वारियर ऑफ पंजाब' (पंजाब के योद्धे) लाईड एंड साऊंड लेजर शो द्वारा दर्शकों को गुरु काल से शुरू करके मिसल काल, सिख राज, ब्रिटिश राज व देश के बंटवारे तक के पंजाब के इतिहास से संबंधित हर तरह की जानकारी संक्षिप्त रूप में दी जा रही है।

पंजाब में हजारों करोड़ रुपये के फर्जी धान खरीद घोटाले की जांच के आदेश

*** बाहर से सस्ता धान लाकर एम.एस.पी. पर खरीद दिखाने का आरोप * केंद्र सरकार ने मांगा पंजाब से जवाब**

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-केंद्र सरकार ने पंजाब में 2025-26 के धान खरीद सीजन के दौरान कथित तौर पर हुए 6,000 करोड़ से 10,000 करोड़ रुपये के फर्जी धान खरीद घोटाले की जांच के आदेश दिए हैं। संगरूर के एक कमीशन एजेंट एवं राइस मिल मालिक ने इस संबंध में शिकायत की है। इसके अनुसार मंडियों में किसानों के नाम पर फर्जी 'जे-फॉर्म' जारी किए गए, जिनके आधार पर भुगतान सीधे किसानों के खातों में ट्रांसफर हुआ। बाद में यह राशि किसानों, कमीशन एजेंटों, राइस मिलरों और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों के बीच बांट ली गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि इसके बाद पंजाब के बाहर से उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों से धान एमएसपी से लगभग 600 रुपये प्रति क्विंटल कम कीमत पर खरीदा गया और उसे राज्य में उच्च एम.एस.पी. पर खरीदे गए धान के रूप में दर्शाया गया। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग द्वारा पंजाब के मुख्य सचिव को जारी निर्देशों के बाद राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने सभी जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रकों (डी.एफ.एस.सी.) को अपनी आवंटन समितियों की बैठक बुलाकर मामले की जांच करने और 13 फरवरी तक रिपोर्ट सौंपने के आदेश दिए हैं। सभी जिलों के डी.एफ.एस.सी. ने आवंटन समितियों की बैठकें बुलाई हैं। पंजाब के खाद्य एवं आपूर्ति मंत्री लाल चंद कटारूचक ने कहा कि उन्हें पूरे मामले की जानकारी नहीं है, वहीं विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एक राइस मिलर ने प्रधानमंत्री सहित केंद्र सरकार के सात शीर्ष अधिकारियों और विभिन्न जांच एजेंसियों को शिकायत भेजी है। अधिकारी ने कहा, 'फिलहाल शिकायतें अप्रमाणित हैं। विभाग द्वारा अपनाई गई सख्ती के चलते फर्जी खरीद की संभावना कम है, लेकिन फिर भी सभी खरीद मामलों की जांच की जा रही है और एक विस्तृत रिपोर्ट केंद्र सरकार को भेजी जाएगी।' शिकायत में घोटाले के तरीके का भी विस्तृत विवरण दिया गया है। इसके अनुसार, फर्जी जे-फॉर्म के आधार पर भुगतान होने के बाद कमीशन एजेंट गेट पास जारी करता है, जिसमें धान को राइस मिल भेजा हुआ दिखाया जाता है। राइस मिलर बिना वास्तविक धान प्राप्त किए उसकी प्राप्ति स्वीकार कर लेता है और बदले में नकद भुगतान लेता है। आरोप है कि कमीशन एजेंट को 45 रुपये प्रति क्विंटल कमीशन और 55 रुपये प्रति क्विंटल मंडी खर्च मिलता है। खरीद एजेंसी के कर्मचारियों को 50 रुपये प्रति क्विंटल और मंडी बोर्ड के कर्मचारियों को 10 रुपये प्रति क्विंटल दिए जाते हैं।

आर.एस.एस. किसी के खिलाफ नहीं- मोहन भागवत

मुंबई (सत्ता संदेश)-राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) प्रमुख मोहन भगवत ने शनिवार को कहा कि संघ किसी के खिलाफ नहीं है और ना ही वह सत्ता या लोकप्रियता चाहता है। भागवत ने यहां जनसभा को संबोधित करते हुए स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान उभरी विभिन्न विचारधाराओं का उल्लेख किया, जिनका प्रतिनिधित्व राजा राम मोहन रॉय, स्वामी विवेकानंद और दयानंद सरस्वती सहित सुधारकों और नेताओं ने किया। हालांकि फिर भी यह देखा जा रहा है कि समाज को दिशा देने और अनुकूल वातावरण बनाने का काम नहीं हो रहा है। भागवत ने कहा कि आर.एस.एस. 'किसी के खिलाफ नहीं है' और किसी घटना की प्रतिक्रिया के रूप में काम नहीं करता है, बल्कि इसका मुख्य उद्देश्य देश में जारी सकारात्मक प्रयासों का समर्थन और उन्हें मजबूत करना है। संघ कोई अर्धसैनिक बल नहीं है, भले ही वह नियमित 'पथ संचलन' करता है। उसके स्वयंसेवक लाठी चलाते हैं, लेकिन इसे एक अखाड़े के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। आर.एस.एस. राजनीति में भी शामिल नहीं है, हालांकि संघ से जुड़े कुछ लोग राजनीतिक जीवन में सक्रिय हैं। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने वर्ष 1925 में आरएसएस की स्थापना से पहले के देश की परिस्थितियों का उल्लेख

करते हुए कहा कि अंग्रेजों ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को एक 'सुरक्षा वाल्व' के रूप में स्थापित किया, लेकिन भारतीयों ने इसे स्वतंत्रता संग्राम का शक्तिशाली साधन बना दिया। भागवत ने आर.एस.एस. के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार का उल्लेख करते हुए उनके बचपन की कठिन परिस्थितियों का वर्णन किया, जिसमें 13 वर्ष की उम्र में प्लेग से माता-पिता का निधन और उसके बाद हुई आर्थिक कठिनाइयां शामिल थीं। हेडगेवार ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान विभिन्न आंदोलनों में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिसमें उनके स्कूल के दिनों में वंदे मातरम् आंदोलन भी शामिल था। जब उन्होंने मैट्रिक की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की, तो नागपुर के कुछ लोगों ने उन्हें मेडिकल की पढ़ाई के लिए कोलकाता भेजने हेतु धन जुटाया, जहां वह क्रांतिकारी समूहों के सम्पर्क में आए। भागवत ने उस दौर की एक घटना को याद करते हुए कहा कि हेडगेवार ने 'कोकेन' नाम के कोडनेम से काम किया, जो कोकेनचंद्र नामक व्यक्ति से प्रेरित था। एक बार पुलिस की टीम, जो कोकेनचंद्र को गिरफ्तार करने आई थी, गलतफहमी में हेडगेवार को ही हिरासत में ले गई। यह घटना रास बिहारी बोस की किताब में दर्ज है।

आर.एस.एस. मंच पर अभिनेता सलमान खान

अभिनेता सलमान खान शनिवार को मुंबई में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित एक कार्यक्रम में संगठन के प्रमुख मोहन भागवत के भाषण में पूरी तरह से तल्लीन दिखे। सलमान खान के साथ फिल्मकार सुभाष घई और गीतकार, कवि एवं लेखक प्रसून जोशी भी थे। सलमान खान ने भागवत की बात बड़े ध्यान से सुना, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि संघ किसी का विरोध किए बिना देश के लिए काम करता है, राष्ट्रीय एकता पर

ध्यान केंद्रित करता है और सत्ता की लालसा किए बिना कार्य करता है। शनिवार को वर्ली क्षेत्र के नेहरू सेंटर में 'संघ की 100 साल की यात्रा-नए क्षितिज' शीर्षक से दो दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला का पहला दिन था। जैसे ही सलमान खान कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे, भीड़ में मौजूद कुछ लोगों ने अपने स्मार्टफोन से उनकी तस्वीरें खींचने की कोशिश की। दो दिवसीय इस कार्यक्रम का उद्देश्य आर.एस.एस. की यात्रा, समाज में इसकी भूमिका और इसके भविष्य को आकार देने वाले विचारों और दृष्टिकोणों पर चिंतन करना है। संघ के व्यापक शताब्दी अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में आर.एस.एस. के वरिष्ठ नेता और आमंत्रित वक्ता आम जनता के साथ चर्चा के लिए एकत्रित हुए।

पाक में गटर का ढक्कन चुराने, बेचने या खरीदने वालों को होगी 10 साल जेल

लाहौर (सत्ता संदेश)- पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में गटर के ढक्कन चोरी की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। इन्हें रोकने के लिए सी.एम. मरियम नवाज शरीफ ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कानून बनाने का एलान किया है। मरियम ने वीडियो में बताया कि इस कानून के तहत ढक्कन चुराने, बेचने या खरीदने वालों को 1 से 10 साल तक की जेल हो सकती है। अगर खुले गटर में गिरने से किसी की मौत हो जाती है तो 10 साल की सजा और 30 से 50 लाख रुपए तक का जुर्माना भी लगेगा। ये कानून चोरों, कबाडियों और खरीदारों सभी पर लागू होगा।

पाकिस्तान का पूर्व डिप्टी स्पीकर अमरीका में चलाता है टैक्सी

इस्लामाबाद (सत्ता संदेश)-कभी पाकिस्तान की सत्ता के गलियारों में प्रभावशाली पद पर बैठने वाले नैशनल असेंबली के पूर्व डिप्टी स्पीकर कासिम खान सूरी आज अमरीका की सड़कों पर टैक्सी चलाकर रोजी-रोटी कमा रहे हैं। सूरी ने खुद वीडियो जारी कर यह चौंकाने वाला दावा किया और कहा कि ईमानदारी की कीमत उन्हें सत्ता, संपत्ति और देश छोड़कर चुकानी पड़ी। कासिम सूरी ने साफ कहा कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का समर्थन किया, जिसकी कीमत उन्हें फर्जी मामलों, संपत्ति जब्ती और बैंक खाते सील होने के रूप में चुकानी पड़ी। सूरी के मुताबिक पाकिस्तान सरकार की कार्रवाई के बाद उनके पास देश छोड़ने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। सूरी ने बताया कि पाकिस्तान छोड़ने के बाद वे अब

अमरीका में टैक्सी ड्राइवर के तौर पर काम कर रहे हैं और आर्थिक संघर्ष झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा सादगी और ईमानदारी से जीवन जिया, लेकिन उसी ईमानदारी ने मुझे सत्ता से सड़क पर ला खड़ा किया। कासिम सूरी ने याद दिलाया कि वे 15 अगस्त 2018 से 16 अप्रैल 2022 तक पाकिस्तान की नैशनल असेंबली के 19वें डिप्टी स्पीकर रहे। इसके बावजूद उन्होंने कभी निजी संपत्ति नहीं बनाई, न ही सत्ता का दुरुपयोग किया। पूर्व डिप्टी स्पीकर ने आरोप लगाया कि इमरान खान समर्थकों को निशाना बनाकर झूठे मुकद्दमों में फंसाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कानून का शासन खत्म हो चुका है और असहमति रखने वालों को चुन-चुनकर कुचला जा रहा है। सूरी ने कहा कि मौजूदा हालात में पाकिस्तान सरकार का अत्याचार और दमन खुलकर सामने आ चुका है। देश में लोगों को जबरन झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है और न्याय सिर्फ नाम का ही रह गया है।

फास्टैग वार्षिक पास उपयोगकर्ताओं की संख्या 6 महीनों में 50 लाख के पार

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-फास्टैग वार्षिक पास पहल ने पेश होने 6 महीनों के भीतर 50 लाख उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर लिया है और इस अवधि में 26.55 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज किए गए हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों का उपयोग करने वाले यात्रियों को वित्तीय राहत प्रदान करने के लिए 15 अगस्त, 2025 को वार्षिक पास सुविधा शुरू की गई थी। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने कहा, फास्टैग वार्षिक पास ने पेश होने के 6 महीने के भीतर 50 लाख उपयोगकर्ताओं का आंकड़ा पार कर 26.55 करोड़ से अधिक लेनदेन दर्ज करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। क्षेत्रवार विश्लेषण से पता चला कि वार्षिक पास के उपयोग के मामले में चंडीगढ़ सबसे आगे है, जो देश भर में कुल वार्षिक पास लेनदेन का 14 प्रतिशत है, इसके बाद तमिलनाडु 12.3 प्रतिशत और दिल्ली 11.5 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे

स्थान पर हैं। दिल्ली-एन.सी.आर. स्थित बिजवासन टोल प्लाजा वार्षिक पास के उपयोग में सबसे आगे रहा, जहां कुल वाहन क्रॉसिंग का लगभग 57 प्रतिशत इसी पास के जरिए हुआ। राष्ट्रीय राजमार्गों और राष्ट्रीय एक्सप्रेसवे पर स्थित लगभग 1, 1-50 टोल प्लाजा पर लागू यह वार्षिक पास 3,000 रुपए की एकमुश्त राशि के भुगतान पर एक साल की वैधता या 200 टोल प्लाजा क्रॉसिंग की सुविधा देता है। इससे फास्टैग को बार-बार रिचार्ज कराने की जरूरत नहीं रहती।

भारत ने छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब किया अपने नाम

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम को 7.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि देने का किया ऐलान

भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम ने एक बार फिर इतिहास रच दिया है। शुक्रवार को भारत ने रिकॉर्ड छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। हरारे में खेले गए फाइनल मुकाबले में आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली टीम इंडिया ने इंग्लैंड को 100 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस बड़ी उपलब्धि के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने टीम को 7.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि देने की घोषणा की। बीसीसीआई सचिव देवजित साइकिया ने युवा खिलाड़ियों के जज्बे और दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन की जमकर तारीफ की।

बीसीसीआई ने जताया गर्व

खिताबी जीत के बाद देवजित साइकिया ने कहा कि बोर्ड को पूरी टीम पर गर्व है। अंडर-19 टीम ने बड़े मंच पर शानदार खेल दिखाया और पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए ट्रॉफी जीती। फाइनल में इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम को हराना आसान नहीं था, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ जीत हासिल की।

फाइनल में वैभव सूर्यवंशी का धमाका

फाइनल मैच में भारत को पहले बल्लेबाजी करने का मौका मिला। इस मौके को वैभव सूर्यवंशी ने पूरी तरह भुनाया। बाएं हाथ के बल्लेबाज वैभव ने सिर्फ 80 गेंदों में 175 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी इस पारी में 15 चौके और 15 छक्के शामिल रहे। वैभव की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने 50 ओवर में 9 विकेट खोकर 411 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया।

इंग्लैंड की टीम 311 रन पर ढेर

लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम ने अच्छी शुरुआत करने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट लेकर दबाव बना दिया। नतीजा यह रहा कि इंग्लैंड की पूरी टीम 311 रन पर ऑलआउट हो गई। इस तरह भारत ने मुकाबला 100 रन से जीतकर अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

वैभव बने मैच और टूर्नामेंट के हीरो

अपनी ऐतिहासिक पारी के लिए वैभव सूर्यवंशी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' और 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' दोनों पुरस्कारों से नवाजा गया। उनकी इस शानदार प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट का सबसे बड़ा सितारा बना दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत का धमाकेदार आगाज़

अमरीका को 29 रन से हराया, सूर्यकुमार का अर्धशतक और सिराज को 3 विकटें

मुंबई (सत्ता संदेश)- गत चैंपियन भारत ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की दबाव में खेली गई 84 रन की नाबाद पारी के बाद मोहम्मद सिराज (29 रन देकर 3 विकेट) की अगुआई में अनुशासित गेंदबाजी से शनिवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप के शुरूआती मैच में अमेरिका को 29 रन से हराकर अपना अभियान शुरू किया। भारतीय टीम अब ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में 12 फरवरी को नामीबिया से भिड़ेगी।

खिताब के प्रबल दावेदार भारत के लिए सूर्यकुमार अपने घरेलू मैदान वानखेड़े स्टेडियम में दबाव भरी परिस्थिति में संभलकर खेलते हुए अंत तक डटे रहे। उन्होंने 49 गेंद की नाबाद पारी में 10 चौके और चार छक्के जड़े। इससे शीर्ष और मध्यक्रम में सामूहिक बल्लेबाजी नाकामी के बावजूद भारत नौ विकेट पर 161 रन बनाने में कामयाब रहा क्योंकि विकेटों के गिरने से एक समय ऐसा लग रहा था कि पारी बहुत जल्दी खत्म हो जाएगी। इस लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 132 रन ही बना सकी।

उसके लिए संजय कृष्णमूर्ति और शुभम रंजने ने 37-37 रन तथा मिलिंद कुमार ने 34 रन बनाए। भारत के नई गेंद के गेंदबाज अर्शदीप सिंह (18 रन देकर दो विकेट) और सिराज ने अच्छी शुरूआत की, जिससे अमेरिका की टीम 10 ओवर में तीन विकेट पर 49 रन ही बना सकी। भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के अस्वस्थ होने के कारण सिराज को अंतिम एकादश में शामिल किया गया, वह दोनों गेंदबाजों में सबसे ज्यादा खतरनाक थे। उन्होंने अमेरिका के दोनों सलामी बल्लेबाज एंड्रीस गॉस (06) और साईतेजा मुक्कमल्ल (02) को आउट किया। उन्होंने पारी की आखिरी गेंद पर रंजने की पारी भी समाप्त की।

अर्शदीप (18 रन देकर दो विकेट) ने कप्तान मोनांक पटेल को शून्य पर आउट कर दिया, जिससे अमेरिका की टीम चौथे ओवर में 13 रन पर तीन विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गई। वरुण चक्रवर्ती ने 12वें ओवर में

मिलिंद कुमार (34 रन) को विकेटकीपर ईशान किशन के हाथों स्टंप आउट कराया। अक्षर पटेल (24 रन देकर दो विकेट) ने 16वें ओवर में संजय कृष्णमूर्ति (37 रन) और हरमीत सिंह (शून्य) के दो विकेट झटके जिससे अमेरिका का स्कोर छह विकेट पर 98 रन था। इससे पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद सूर्यकुमार के अलावा मेजबान टीम के केवल तीन बल्लेबाज ही दोहरे अंक तक पहुंच सके, जिसमें तिलक वर्मा ने 25 रन और ईशान किशन ने 20 रन का योगदान दिया।

टी-20 विश्व कप मैच में पाकिस्तान को अशरफ ने बचाया

कोलंबो, सात फरवरी (भाषा) निचले क्रम के बल्लेबाज फहीम अशरफ के 11 गेंद में 29 रन की मदद से पाकिस्तान ने टी20 विश्व कप के पहले मैच में शनिवार को नीदरलैंड को तीन विकेट से हराया।

जीत के लिये 148 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान का स्कोर दस ओवर के बाद दो विकेट पर 90 रन था लेकिन इसके बाद उसने लगातार विकेट गंवाये। एक समय 16 . 1 ओवर में सात विकेट पर स्कोर 114 रन था और उसे जीत के लिये 34 रन की जरूरत थी।

आखिरी दो ओवर में पाकिस्तान को 29 रन चाहिये थे। अशरफ ने लोगान वान बीक की गेंद पर तीन छक्के और एक चौका लगाया और आखिरी ओवर में चौका जड़कर मैच तीन गेंद बाकी रहते पाकिस्तान के नाम किया।

इससे पहले ओडाउड ने अशरफ का कैच 19वें ओवर की दूसरी गेंद पर छोड़ा था जब वह सात रन पर थे। नीदरलैंड को इस कैच के छूटने की भारी कीमत चुकानी पड़ी।

टी20 विश्व कप से पहले मैदान के बाहर की सुर्खियों ने पाकिस्तान की तैयारी को प्रभावित किया। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के खिलाफ 15 फरवरी को होने वाला मैच नहीं खेलने का फैसला किया है।

पाकिस्तान के लिये साहिबजादा फरहान ने 31 गेंद में सर्वाधिक 47 रन बनाये जबकि सलामी बल्लेबाज सईम अयूब ने 13 गेंद में 24 रन का योगदान दिया। बाबर आजम 18 गेंद में 15 रन ही बना सके।

चीन से हारकर भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप से बाहर

किंगदाओ-पिछली चैम्पियन भारतीय महिला टीम बैडमिंटन एशिया टीम चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल

में शुक्रवार को दूसरे दर्जे की चीन की टीम से 0-3 से हारकर बाहर हो गई। भारत ने 2024 में इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था लेकिन इस बार पी वी सिंधू के नहीं खेलने से भारत की संभावनाओं को धक्का लगा।

टूर्नामेंट में इससे पहले दो मैच जीत चुकी दुनिया की 42वें नंबर की खिलाड़ी तन्वी शर्मा दसवीं रैंकिंग वाली गाओ फांग जिसे एकतरफा मुकाबले में 9-21, 9-21 से हार गई। गायत्री गोपीचंद और त्रिसा जॉली की जोड़ी ने जुझारू खेल दिखाया लेकिन दुनिया की चौथे नंबर की जोड़ी जिया यि फान और झांग शू शियान से 22-24, 18-21 से पराजय का सामना करना पड़ा।

रक्षिता रामराज दूसरे एकल में शू वेन जिंग से 70 मिनट के मुकाबले में 14-21, 21-15, 17-21 से हार गई।

एलेक्जेंड्रोवा ने मैच पॉइंट बचाकर अबू धाबी फाइनल में जगह बनाई

अबू धाबी -एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने मुबाडाला अबू धाबी ओपन फाइनल में पहुंचने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया, शुक्रवार शाम को तीन सेट में हैली बैपटिस्ट को हराने से पहले एक मैच पॉइंट बचाया। बैपटिस्ट ने पहला सेट जीता और दूसरे सेट में 5-4 पर एलेक्जेंड्रोवा की सर्विस पर मैच पॉइंट हासिल किया। एलेक्जेंड्रोवा ने इसे बचाया, सर्विस बरकरार रखी, और सेट को टाईब्रेक तक पहुंचाया, जहां उन्होंने 5-4 से पीछे होने के बाद अंतिम तीन पॉइंट जीतकर निर्णायक सेट के लिए मजबूर किया।

उन्होंने तीसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बरकरार रखी, 2-0 से बढ़त बनाई और 4-2 से आगे रहते हुए थोड़े समय के लिए लड़खड़ाने के अलावा, ढाई घंटे में 3-6, 7-6 (5), 6-3 की जीत के साथ मैच को नियंत्रित किया। इस जीत

के साथ वह अपने करियर के 13वें फाइनल में पहुंच गई हैं। एलेक्जेंड्रोवा ने कोर्ट पर इंटरव्यू में हंसते हुए कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। मैंने मैच के दौरान इसके बारे में नहीं सोचा था। (लेकिन) आप जानते हैं, इस मुश्किल मैच के बाद, मुझे लगता है कि यह काफी अच्छी खबर है जो आपने मुझे अभी बताई।'

अन्य सकारात्मक बातों में उनके द्वारा लगाए गए 33 विनर्स और यह तथ्य शामिल है कि उन्होंने सर्विसिंग की लड़ाई में बैपटिस्ट को पछाड़ दिया, लेकिन शनिवार के फाइनल से पहले अभी भी बहुत कुछ सुधार करने की ज़रूरत है। उन्होंने 59 अनफोर्स्ड एरर किए और नेट पर काफी संघर्ष किया, पास से 13 में से सिर्फ 4 पॉइंट जीते। उन्होंने शुक्रवार को साबित कर दिया कि वह इन आंकड़ों से उबर सकती हैं, लेकिन उन्हें सारा बेजलेक के खिलाफ और भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा, जो क्वालीफाइंग से आई हैं और सेमीफाइनल में क्लारा टौसन को दो घंटे 49 मिनट में 7-5, 3-6, 7-5 से हराकर अपने करियर के पहले डब्ल्यूटीए फाइनल में पहुंची हैं।

रोनाल्डो ने फीफा वर्ल्ड कप को लेकर की भविष्यवाणी

रियो डी जेनेरो - पूर्व स्ट्राइकर रोनाल्डो ने कहा कि उन्हें इस साल के फीफा वर्ल्ड कप में एक नई ऊर्जा से भरी ब्राजील टीम देखने की उम्मीद है, और उन्होंने मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के सकारात्मक प्रभाव की तारीफ की। पांच बार की वर्ल्ड कप विजेता ब्राज़ील क्वालीफायर में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से काफी पीछे थी, 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी ग्रुप में पांचवें स्थान पर रही, जो लीडर और मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना से 10 अंक पीछे थी। दो बार के वर्ल्ड कप विजेता ने पत्रकारों से कहा, 'मैं बहुत आशावादी हूं। हमने कुछ बार मुलाकात की है और छठे खिताब पर विश्वास करने के लिए ब्राजीलियाई फैंस से अपील करते हुए एक मजेदार विज्ञापन भी फिल्माया है। मैं उन्हें जानता हूं, मैं उनके काम करने का तरीका जानता हूं, इसलिए जब वह राष्ट्रीय टीम में शामिल हुए थे,

उससे कहीं ज्यादा मैं अब उत्साहित हूं।' वर्ल्ड कप 11 जून से 19 जुलाई तक संयुक्त राज्य अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। ब्राजील 13 जून को मोरक्को के खिलाफ ग्रुप सी अभियान शुरू करेगा, जिसके बाद 19 जून को हैती और 24 जून को स्कॉटलैंड का सामना करेगा।

एस.आई.आर. पर सुप्रीम कोर्ट से बोला चुनाव आयोग

ममता बनर्जी भड़काऊ भाषण देकर डर फैला रहीं हैं

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-सुप्रीम कोर्ट में पश्चिम बंगाल में हुए मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) मामले पर

सुनवाई चल रही है। पिछले दिनों खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोर्ट पहुंचकर दलीलें पेश कीं। अब चुनाव आयोग ने गत दिवस कोर्ट में एक काउंटर एफिडेविट दायर किया है और एस.आई.आर. प्रक्रिया के दौरान हिंसा, डराने-धमकाने, चुनाव अधिकारियों को रोकने का आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भी आरोप लगाया है कि वह डर फैला रही हैं और भड़काऊ भाषण दे रही हैं। इन भाषणों की वजह से चुनाव अधिकारियों पर डराने जैसा माहौल बन गया है। कई लोगों ने तो सी.ई.ओ. को लैटर लिखा है और एस. आई. आर. में लगी ड्यूटी से हटाने के लिए कहा है। चुनाव आयोग ने पिछले साल 24 नवम्बर की एक घटना का भी जिक्र किया है, जिसमें भीड़ ने सी.ई.ओ. के ऑफिस में घुसने की कोशिश की और उसमें तोडफ़ोड़ की। आयोग का कहना है कि राज्य सरकार चुनावी अधिकारियों के खिलाफ धमकियों संबंधी बी.एल.ओ. की शिकायत पर एफ.आई.आर. नहीं दर्ज कर रही है।

बिहार के पश्चिम चंपारण के एक गांव से लापता पांच लड़कियां नई दिल्ली से बरामद

बेतिया, (सत्ता संदेश)- बिहार के पश्चिम चंपारण जिले के एक गांव से लापता हुई पांच लड़कियों को पुलिस ने नयी दिल्ली से बरामद कर उनके परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार, ये लड़कियां जिले के कुमारबाग थानाक्षेत्र के लखौरा गांव से सोमवार को लापता हो गई थीं। सदर-एक के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) विवेक दीप ने बताया, 'जांच में हमें इन लड़कियों के नयी दिल्ली में होने का पता चला। उन्हें बरामद कर उनके परिवारजनों के हवाले कर दिया गया है। सोमवार की शाम हमें सूचना मिली थी कि लखौरा गांव के वार्ड संख्या आठ से पांच लड़कियां लापता हो गई हैं।' उन्होंने बताया कि परिजनों के अनुसार, सभी लड़कियां सोमवार सुबह घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं।

बैंगलुरू से 23 विदेशी नस्ल के सांड पार्सल वैन जरिये कश्मीर पहुंचे

6 को बारी ब्राह्मणा गुड्स शैड और 17 को बडगाम रेलवे स्टेशन पर उतारा

पठानकोट (सत्ता संदेश)-कश्मीर घाटी के संपर्क रेल मार्ग से जुडऩे के बाद भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई के क्षेत्र में एक नई क्रांति का सूत्रपात किया है। इतिहास में पहली बार, %ब्रीडिंग डिवैल्पमैंट प्रोग्राम' (प्रजनन विकास योजना) के तहत बैंगलुरु से 23 विदेशी नस्ल के कीमती सांडों को पार्सल वैन के माध्यम से सुरक्षित कश्मीर पहुंचाया गया है। सुरक्षित और सस्ता विकल्प अब तक मालगाडियों का उपयोग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल, स्टील और अनाज के लिए होता था, लेकिन उत्तर रेलवे के जम्मू मंडल ने पशुधन परिवहन की दिशा में यह बड़ी

उपलब्धि हासिल की है। इन 23 सांडों में से 6 को बारी ब्राह्मणा गुड्स शैड और शेष 17 को बडगाम रेलवे स्टेशन पर उतारा गया। लंबी दूरी की इस यात्रा के दौरान पशुओं की सुरक्षा के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बी.एस.आई.) के कड़े मापदंडों और विशेष चैंबरों का उपयोग किया गया, ताकि उन्हें कोई शारीरिक क्षति या तनाव न हो। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक (जम्मू) उचित सिंघल ने बताया कि इन उच्च गुणवत्ता वाले विदेशी सांडों के आगमन से स्थानीय नस्लों में सुधार होगा, जिससे दूध उत्पादन की क्षमता में भारी वृद्धि होगी। उन्होंने कहा, रेलवे द्वारा परिवहन से सड़क मार्ग की तुलना में न केवल खर्च कम हुआ है। बल्कि, प्रतिकूल मौसम में भी समय पर डिलीवरी सुनिश्चित हुई है। यह कश्मीर के

डेयरी किसानों की आय बढाने और क्षेत्र में श्वेत क्रांति लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

**** विकसित भारत की ओर बढ़ते कदम-***

उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक के जरिए इस सफल परिवहन ने यह सिद्ध कर दिया है कि कश्मीर अब राष्ट्रीय माल ढुलाई नैटवर्क से पूरी तरह जुड़ चुका है। यह पहल न केवल लॉजिस्टिक्स की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। बल्कि %विकसित भारत' और %आत्मनिर्भर जम्मू-कश्मीर' के संकल्प को भी मजबूती प्रदान करती है। आने वाले समय में अन्य पशुधन और कृषि उत्पादों का व्यापार इस रेल मार्ग से और भी सुगम होने की उम्मीद है।

एप्स्टीन से संबंधों के कारण उपजे विवाद को लेकर ब्रिटिश संसद की सदस्यता छोड़ेंगे मैंडेलसन

लंदन,(सत्ता संदेश)- ब्रिटिश राजनेता पीटर मैंडेलसन, मानव तस्करी के मामले में दोषी करार दिए गए जेफरी एपस्टीन के साथ अपने संबंधों को लेकर नए सवालों और संभावित पुलिस जांच का सामना करने के कारण 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' से इस्तीफा दे देंगे।

ब्रिटिश संसद के उच्च सदन के सभापति माइकल फोर्सिथ ने कहा कि मैंडेलसन ने घोषणा की है कि वह 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' की सदस्यता छोड़ रहे हैं, जो बुधवार से प्रभावी होगी।

मैंडेलसन ने यह घोषणा ऐसे समय में की, जब ब्रिटिश सरकार उनकी दशकों की संसद सदस्यता खत्म करने और 'हाउस ऑफ लॉर्ड्स' की उनकी आजीवन सदस्यता के साथ मिलने वाली उपाधि, 'लॉर्ड मैंडेलसन' को हटाने

के लिए कानून तैयार कर रही है।

इससे पहले, ब्रिटेन सरकार ने मंगलवार को कहा कि उसने लेबर पार्टी के नेता पीटर मैंडेलसन द्वारा संवेदनशील सरकारी जानकारी जेफरी एप्स्टीन को दिए जाने के आरोपों की जांच कर रही पुलिस को एक फाइल भेजी है।

जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश में जुटे हैं कि मानव तस्करी के मामले में दोषी करार दिए गए एप्स्टीन के बारे में जानकारी लीक करने को लेकर क्या मैंडेलसन के खिलाफ आपराधिक जांच होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री केअर स्टारमर ने मंगलवार को अपने मंत्रिमंडल को बताया कि वह हाल ही में सार्वजनिक की गईं एप्स्टीन फाइलों में किए गए खुलासों से ''स्तब्ध'' हैं, और उन्हें इस बात को लेकर चिंता है कि अभी और भी विवरण सामने आने बाकी हैं।

रोम के 'ट्रेवी फाऊंटेन' पर सिक्का डालने से पहले एंट्री पर देने होंगे 2 यूरो

रोम (सत्ता संदेश)-दुनिया के सबसे मशहूर ट्रेवी फाउंटेन पर अब मुफ्त में सिक्का उछालकर मन्नत मांगना बीते दिनों की बात होने जा रहा है। फरवरी से इटली की राजधानी रोम में इस ऐतिहासिक फाऊंटेन के बेसिन तक जाने के लिए पर्यटकों को 2 यूरो का टिकट चुकाना होगा। प्रशासन का कहना है कि हर दिन हजारों सैलानियों की भारी भीड़ से स्मारक को नुकसान पहुंच रहा है। नए नियम के तहत एक समय में सीमित संख्या में पर्यटकों को ही नीचे जाने की अनुमति मिलेगी, ताकि अव्यवस्था और तोडफ़ोड़ पर रोक लगाई जा सके। 18वीं सदी के इस फाउंटेन में सिक्का डालकर दोबारा रोम लौटने की कामना करना सदियों पुरानी

परंपरा रही है, लेकिन अब यह परंपरा भी टिकट के दायरे में आ गई है। प्रशासन इसे बेहतर अनुभव बता रहा है, जबकि कई पर्यटक इसे रोमांस और आजादी पर रोक मान रहे हैं।

पर्यटन बनाम परंपरा की बहस- नगर प्रशासन का दावा है कि टिकट से जुटाई गई रकम फाउंटेन की सफाई, रख-रखाव और सुरक्षा पर खर्च होगी। अधिकारियों के मुताबिक, इससे स्मारक को नुकसान पहुंचाने वाली हरकतों पर भी लगाम लगेगी। इस फैसले ने रोम में नई बहस छेड़ दी है कि क्या ऐतिहासिक धरोहरों को बचाने के नाम पर उनकी आत्मा को कमाई का जरिया बनाया जा रहा है? समर्थक इसे जरूरी कदम बता रहे हैं, तो विरोधी इसे संस्कृति का व्यवसायीकरण कह रहे हैं।